दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-154, भोपाल, सोमवार 18 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"मुझे अपने प्रशिक्षण के प्रत्येक क्षण से नफरत थी, लेकिन मैंने कहा, "हार नहीं मानो। अभी कष्ट उठा लो और शेष जीवन विजेता की तरह जियो।""
- मोहम्मद अली

दिल्ली के उपहार सिनेमाघर में फिर से लगी आग, लोगों को याद आई 1997 की घटना

नईदिल्ली। दिल्ली के उपहार सिनेमाघर में रविवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि थियेटर की बालकनी और एक मंजिल पर लगी आग में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दिल्ली दमकल सेवा विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि रविवार तड़के 4.46 बजे फोन पर उपहार सिनेमाघर में आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की नौ गाड़ियां घटनास्थल पर रवाना की गईं। गर्ग के मुताबिक, सिनेमाघर में मौजूद सीट, फर्नीचर और कबाड़ में आग लग गई थी, जिस पर सुबह करीब 7.20 बजे काबू पा लिया गया। 13 जून 1997 को इसी सिनेमाघर में लगी भीषण आग में 59 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे।

कपड़ा दुकानदार की खुली किस्मत, रातों-रात बना करोड़पति

रामपुराफूल। जब भगवान देता है तो छप्पर फाड़ के देता है यह कहावत उस समय सच हुई जब रामपुराफूल नजदीक स्थित गांव महिराज में एक शख्स की 2.5 करोड़ की लाटरी निकली। रोशन सिंह का कहना है कि उनकी किस्मत इस तरह चमकेगी कभी नहीं सोचा था। रोशन सिंह ने बताया कि वह कपड़े का काम करता है और गरीबी में दिन गुजारे हैं। उन्होंने बताया कि वह 1988 से लॉटरी खरीद रहे हैं। अब जाकर परमात्मा ने सुनी है। रोशन सिंह ने बताया कि लाटरी निकलने को लेकर उन्हें पहले फोन आया जिसे उन्होंने मजाक समझा लेकिन बाद में जब उन्हें डिटेल से समझाया गया तो फिर उनको विश्वास हुआ कि सच में उनका वैसाखी बंपर निकला है। रोशन सिंह का कहना है कि जब यह खबर लोगों के कानों तक पहुंची तो उनके घर में बधाइयों का तांता लग गया।

भूस्खलन से सड़क के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए

असम में तूफान और भारी बारिश से 14 लोगों की गई जान, पीएम ने ट्वीट कर जताया दुख

गुवाहाटी, एजेंसी। देशभर में फिलहाल गर्मी का प्रकोप जारी है और कई राज्यों में पारा बढ़ता जा रहा है। वहीं, असम में मौसम ने एकदम से करवट ली है। यहां कल रात हुई तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश ने काफी नुकसान पहुंचाया है। विभिन्न जिलों में तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश से कई लोगों के मरने की बात सामने आई है। वहीं भारी बारिश के चलते सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मौत की जानकारी मिली है जिसपर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है। दूसरी ओर असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार कल राज्य में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हुई थी जिसकी संख्या अब बढ़कर 14 पहुंच गई है।

पीएम ने जताया दुख

पीएम नरेंद्र मोदी ने भी असम में बारिश-तूफान के चलते आम लोगों की जनहानी पर शोक जताया है। पीएम ने ट्वीट कर कहा, असम के विश्वनाथ जिले में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।

20 हजार लोग प्रभावित

प्राधिकरण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 592 गांवों को भारी बारिश से नुकसान हुआ है और 20 हजार से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए हैं। बिजली गिरने और आंधी तूफान से लगभग 6000 कच्चे और पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं 900 के करीब कच्चे और पक्के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दुकानों और कई संस्थानों को भी इसमें काफी नुकसान हुआ है। प्राधिकरण ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है।

एनएच-54ई पर भूस्खलन

असम के दीमा हसाओ जिले के केलोलो गांव के पास बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 54 ई पर कई वाहन फंस गए थे। नेशनल हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया और कई वाहन कीचड़ में फंस गए। पिछले कुछ दिनों में लगातार बारिश के बाद पहाड़ी जिले में बड़े पैमाने पर भूस्खलन की घटना हो रही है। भूस्खलन से सड़क के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लोगों को भी आने जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि इसी तरह की स्थिति पिछले साल भी बारिश के मौसम में हुई थी। इस बीच, एनएचएआई और जिला प्रशासन मलबा हटाने और सड़क को साफ करने में जुटे हैं।

राहुल गांधी का दावा, कोरोना से 40 लाख भारतीयों की मौत...

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि सरकार की लापरवाही के चलते कोरोना वायरस महामारी के दौरान 40 लाख भारतीयों की मौत हुई। साथ ही, उन्होंने सभी मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए मुआवजा देने की एक बार फिर से मांग की। राहुल ने ट्विटर पर न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट का 'स्क्रीनशॉट (तस्वीर) शेयर किया, जिसमें दावा किया गया है कि भारत दुनियाभर में कोविड से हुई मौत के आंकड़े सार्वजनिक करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों में बाधा डाल रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ट्वीट में कहा कि मोदी जी ना सच बोलते हैं, ना बोलने देते हैं। वो तो अब भी झूठ बोलते हैं कि ऑक्सीजन की कमी से कोई नहीं मरा! राहुल ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था- कोविड के दौरान सरकार की लापरवाही के कारण पांच लाख नहीं, बल्कि 40 लाख भारतीयों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि फर्ज़ निभाईए, मोदी जी-हर पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपए का मुआवज़ा दीजिए। बता दें कि भारत ने देश में कोविड-19 मृत्यु दर का आकलन करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की पद्धति पर शनिवार को सवाल उठाते हुए कहा था कि इस तरह के गणितीय मॉडल का इस्तेमाल इतने विशाल भौगोलिक आकार और जनसंख्या वाले देश में मृत्यु के आंकड़ों का अनुमान लगाने में नहीं किया जा सकता।

चम्पावत से उप चुनाव लड़ेंगे सीएम धामी! जल्द इस्तीफा दे सकते हैं कैलाश गहतोड़ी

चम्पावत, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उप चुनाव चम्पावत विधानसभा क्षेत्र से ही लड़ेंगे। सूत्रों की मानें तो यह बात लगभग तय हो गई है। पार्टी ने भी इस पर मुहर लगा दी है। विधायक कैलाश गहतोड़ी ने सबसे पहले सीएम धामी के लिए सीट छोडने का ऐलान किया था। सीएम के चम्पावत से उप चुनाव लडने की खबरें इंटरनेट मीडिया में तेजी से चल रही हैं। लोग सीएम के लिए सीट छोडने पर विधायक का आभार भी जता रहे हैं। हालांकि अभी इस बात की घोषणा न तो सीएम ने की है और न ही विधायक ने इस बात पर मुहर लगाई है। चम्पावत विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री धामी की परंपरागत सीट खटीमा से लगी हुई है। साथ ही विधानसभा के मैदानी क्षेत्र

बनबसा व टनकपुर क्षेत्र में पिथौरागढ़ जनपद के रहने वाले मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। सीएम धामी भी मूल रूप से पिथौरागढ़ जनपद के ही रहने वाले हैं। विधायक गहतोड़ी एक दो दिन में सीएम धामी के लिए विधायकी से अपना इस्तीफा दे देंगे। विधायक गहतोड़ी पिछले कुछ दिनों से विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण पर हैं। जन सभाओं में वे सीएम धामी के चम्पावत से उप चुनाव लडने की चर्चा कर उन्हें विजयी बनाने की अपील भी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार देर शाम विधायक अपने बनबसा स्थित अपने आवास पहुंचे। पार्टी की ओर से निर्देश मिलने के बाद रविवार को वे कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद देहरादून के लिए रवाना हो गए हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि सोमवार या मंगलवार को गहतोड़ी विधायक पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से जैसे ही विधायक गहतोड़ी के सीट छोडने की चर्चा शुरू हुई भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीएम धामी के चम्पावत सीट से लडने पर स्वागत में पोस्टें डालनी शुरू कर दी हैं।

गृहमंत्री ने पीतांबरा माई की शोभायात्रा की तैयारियों लेकर की बैठक

दतिया। आगामी चार मई को पीतांबरा माई की निकलने वाली भव्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर रविार को हुई बैठक में मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शामिल हुआ। बैठक में शोभायात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं और अन्य सभी जरूरी विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इससे पहले गृहमंत्री ने नागरिकों से मेल-मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही दतिया में नवनिर्मित होटल लेकव्यू का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। साथ ही किला परिसर ज्योति काम्प्लेक्स में सार्थक ट्रेडर्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिंधी समाज के प्रबुद्धजन और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंसा का साजिशकर्ता अंसार गिरफ्तार, पुलिस व रैपिड एक्शन फोर्स तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी हिंसा मामले में पुलिस एक्शन मोड में है। आरोपितों की धरपकड़ के लिए लगातार छापेमारी चल रही है। अभी तक दिल्ली पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही हिंसा में शामिल मुख्य साजिशकर्ता अंसार को भी पुलिस ने दबोच लिया है। अंसार पर फायरिंग करने का आरोप भी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वह पहले दो मामलों में भी शामिल पाया गया है। इसके अलावा जुआ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के तहत उसके खिलाफ पांच बार मामला दर्ज किया गया था।

डीसीपी नॉर्थ-वेस्ट उषा रंगनानी ने जानकारी देते हुए बताया कि जहांगीरपुरी हिंसा के

सिलसिले में 5 और आरोपी गिरफ्तार किया गया हैं। हिंसा में शामिल अभी तक कुल 14 लोग पुलिस की गिरफ्त में हैं। वहीं पूरे इलाके में सुरक्षा व्वस्था और कड़ी कर दी गई है।

इलाके को छावनी में तब्दील करते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती है। शनिवार को हिंसा में 8 पुलिसकर्मियों और 1 नागरिक सहित 9 लोग घायल हो गए थे। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। एक सब-इंस्पेक्टर को गोली भी लगी है, उनकी हालत स्थिर है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही और गिरफ्तारी की जाएगी। जहांगीरपुरी हिंसा में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, जहांगीरपुरी हिंसा प्रभावित क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी गई है। दरअसल, हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर जहांगीरपुरी इलाके में शोभायात्रा पर किया गया हमला सुनियोजित था। यह शोभायात्रा अपराह्न बाद चार बजे ईई ब्लाक से निकाली गई थी। शोभायात्रा जब सी ब्लाक पहुंची तो विशेष समुदाय के लोगों की ओर से अचानक शोभायात्रा पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया जाता है। इस अप्रत्याशित हमले से शोभायात्रा में शामिल लोग खुद को संभालते कि दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल के निकट स्थित मकानों की छतों पर से भी ईंट, पत्थर के साथ ही कांच की बोतलों आदि से हमला और तेज कर दिया गया। गाली देते हुए हाथों में तलवारें और अन्य हथियार लेकर हमला करने का भी प्रयास किया। हथियार हवा में लहराते हुए प्रदर्शन भी शुरू कर दिया। इसी दौरान कुछ हमलावरों ने वाहनों में तोड़फोड़ के साथ ही उन्हें आग के हवाले कर पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया।

अमेरिका में नहीं थम रहीं गोलीबारी की घटनाएं, अब पीट्सबर्ग शहर में हुई अंधाधुंध फायरिंग, दो की मौत

पिट्सबर्ग, एजेंसी। एपी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं कम नहीं हो रही है। अमेरिका के पिट्सबर्ग शहर में रविवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए पिट्सबर्ग पुलिस ने कहा कि गोलीबारी शहर के नार्थ साइड में एक एयरबीएनबी प्रापर्टी में एक पार्टी के दौरान हुई। अधिकारियों ने कहा कि अंदर 200 से अधिक लोग थे, जिनमें से कई कम उम्र के थे।

पुलिस ने कहा कि जब अधिकारी पहुंचे तो उन्होंने देखा कि लोग घटनास्थल से भाग रहे हैं और खिड़कियों से कूदकर भागने की कोशिश कर रहे हैं। कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में दो किशोरियों की मौत हो गई। अभी उनकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने कहा कि 50 राउंड अंदर और बाहर भी कई राउंड फायर किए गए। डब्ल्यूटीएई-टीवी ने बताया कि घटनास्थल से राइफलों और पिस्तौल से खाली खोके मिले हैं। पुलिस उन आठ अलग-अलग अपराध दृश्यों पर सुबूत तलाश रही है, जहां कुछ ब्लाकों में गोलीबारी हुई थी। फिलहाल किसी भी संदिग्ध के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि अमेरिका में हुई इस तरह की फायरिंग की यह कोई पहली घटना नहीं है।

अफगानी लोगों के धैर्य की न लें परीक्षा, पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद तालिबान ने दी चेतावनी

काबुल। पाकिस्तान और तालिबान के बीच एकबार फिर तकरार बढ़ गई है। तालिबान ने अफगानिस्तान के खोस्त और कुनार प्रांतों पर हालिया हवाई हमलों करने के लिए पाकिस्तान को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। बता दें कि पाकिस्तान ने उत्तरी वजीरिस्तान में दो आतंकी हमलों में अपने सैनिक खोने के बाद बीती रात ही अफगानिस्तान पर हवाई हमले किए है जिसमें अब 60 लोगों के मारे जाने जानकारी सामने आई है। एक बयान में, सूचना एवं संस्कृति के उपमंत्री और तालिबान के मुख्य प्रवक्ता, जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान के लोगों के धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए अन्यथा गंभीर परिणाम का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुजाहिद ने कहा, हम राजनयिक चैनलों और बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस तरह के कृत्यों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव पैदा होगा।

सीएम ने की गोंडवाना समाज भवन के लिए 1 करोड़ 7 लाख की घोषणा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज गरियाबंद जिला अंतर्गत छुरा विकासखंड के ग्राम बोडराबांधा में अखिल भारतीय गौड् समाज महा अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे । केंद्रीय समिति बिंद्रानवागढ़ अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में आदिम जाति कल्याण मंत्री प्रेमसाय टेकाम,कांकेर विधायक एवं आदिवासी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिशुपाल सोरी, संसदीय सचिव इन्द्रशाह मंडावी, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग,राजिम विधायक अमितेष शुक्ल, पूर्व विधायक ओंकार शाह एवं समाज के प्रमुख पदाधिकारी एवं बडी संख्या में समाज के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आदिवासी समाज के देवी देवताओं की पूजा अर्चना कर समाज की खुशहाली की कामना की । महाधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज के विकास और उनके हितों के सरंक्षण के लिए संकल्पित है। राज्य के 32 प्रतिशत आदिवासी समाज के लिये कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लघु वनोपज का दायरा 7 से बढ़ाकर 65 प्रकार कर दिया है। अब कोदो कुटकी रागी का समर्थन मूल्य भी बढ़ा दिया गया है। समर्थन मूल्य से कम में महुआ या कोई भी लघु वनोपज नहीं बेचना है । उन्होंने कहा कि जिले में तीन स्थानों पर फूड पार्क स्थापित किया जा रहा है।इससे वैल्यू

एडिशन में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि 1 मई को भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत भूमिहीन मजदूरों को 7 हजार रुपये दी जाएगी। गोधन न्याय योजना से अब पेंट और बिजली बनाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जिले में 21 हजार आदिवासियों को वन अधिकार पत्र दिया गया है ।उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य लोगों के जेव में पैसा आये और वे समृद्ध बने। उन्होंने कहा कि सरकार पेशा कानून लागू करने के लिये ड्राफ्ट का अध्ययन कर रही है। इस कानून के लागू होने से गैर आदिवासी समाज को चिंता करने की आवश्यकता नही है। उन्होंने समाज की मांग पर कचना धुर्वा गोंडवाना समाज भवन के लिए एक करोड़ सात लाख ?7हजार देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय स्तर के समस्याओं के लिए कलेक्टर को निर्देशित किया है। वहीं राज्य स्तर के समस्याओं के लिए उसे राज्य शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं । राजिम विधायक अमितेष शुक्ल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के लिए विकास आवश्यक है। सड़क,बिजली और सिंचाई के विकास से हर समाज का विकास सुनिश्चित होता है। इसी धयेय को लेकर मुख्यमंत्री विकास को गति दे रहे हैं।उन्होंने अमात गोंड समाज भवन के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की।

न्यूज ब्रीफ

गर्भवतियों की जान से खिलवाड़

श्योपुर, भोपाल सहित 25 जिलों में गंभीर गर्भवतियों की जगह आशा, ANM ने डाले अपने मोबाइल नंबर, ट्रेकिंग में हो रही दिक्कत

भोपाल। जच्चा और बच्चा की मौतों के मामले में मप्र की स्थिति देश के सबसे खराब राज्यों में शुमार है। प्रदेश में शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए एनएचएम द्वारा गर्भावस्था के दौरान ही महिलाओं में गंभीर जटिलताओं की पहचान कर उन्हें प्रसव के पहले रिस्क से उबारने के लिए प्रयास किए जाते हैं। लेकिन राज्य स्तर से बनी इस प्लानिंग पर मैदानी अमला फेल करने में जुटा हुआ है। खून की कमी, हाई ब्लड़ प्रेशर, सिजेरियन डिलेवरी की हिस्ट्री सहित तमाम गंभीर जटिलताओं से ग्रस्त हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं (।त्रक्ष्ढ्ढ) की जानकारी के साथ आशा कार्यकर्ताएं अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर रहीं हैं। इससे उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की ट्रेकिंग और ट्रीटमेंट में परेशानी आ रही है। एनएचएम की समीक्षा में करीब 25 जिलों में हाई रिस्क गर्भवतियों की जगह एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने मोबाइल नंबर डालने की जानकारी पकड़ में आई है।

मैदानी अमले की लगातार मिल रहीं शिकायतें:- स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा लापरवाही बरतने और गर्भवतियों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में गड़बड़ी की शिकायतें लगातार मिल रहीं हैं। आयरन, कैल्शियम की टेबलेट न देने की 12 शिकायतें एक महीने में मिलीं हैं। टीकाकरण कार्ड न देने की 24, प्रसव कराने के लिए गर्भवती महिला के साथ जाने से मना करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की 3 और आशा, एएनएम द्वारा बच्चे का फॉलोअप न करने की छह शिकायतें मिलीं हैं।

अस्पतालों में भी व्यवस्थाओं से प्रसूताएं परेशान:- एनएचएम द्वारा प्रदेश भर में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की ट्रेकिंग और मॉनीटरिंग की रही है। इससे राज्य स्तर पर सीधे फील्ड की जानकारी मिल रही है। दूरस्थ इलाकों में अकेले फील्ड स्टाफ से ही नहीं बल्कि प्रसव के लिए आने पर सरकारी अस्पतालों में भी गर्भवतियों और प्रसूताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हमीदिया की नई बिल्डिंग जून तक होगी तैयार

फर्नीचर और इक्विपमेंट्स की सप्लाई के ऑर्डर दिए, एक बिल्डिंग जीएमसी के हेंडओवर करेगी पीआईयू

भोपाल

मरीजों का सबसे ज्यादा प्रेशर झेलने वाले हमीदिया अस्पताल को जल्द ही वातानुकूलित भवनों में शिफ्ट कर दिया जाएगा। पीआईयू ने एक बिल्डिंग (हॉस्पिटल-2) को अगले दो महीने में पूरे तरीके से तैयार कर जीएमसी के हेंडओवर करने का आश्वासन दिया है। पीआईयू ने फर्नीचर सप्लाई के लिए ऑर्डर दिए हैं। माना जा रहा है कि अगले एक महीने में फर्नीचर की डिलेवरी होने के बाद इंटीरियर का काम भी मई के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

ऑपरेशन थिएटर में चल रहा काम

जीएमसी के अधिकारियों की मानें तो भवनों में सिविल वर्क पूरा हो चुका है ऑपरेशन थिएटर में लाइटिंग और इलेक्ट्रिफिकेशन का काम चल रहा है। ओटी कॉम्प्लेक्स पूरा होने में अभी 20 से 25 दिन का समय लग सकता है। हॉस्पिटल-2 बिल्डिंग के दूसरी मंजिल पर 6 ओटी तैयार हो रहे हैं इनमें दो मॉडयूलर और चार नॉन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर बन रहे हैं।

हेंडओवर लेने के पहले ही करा रहे मेंटेनेंस के काम

सूत्रों की मानें तो हमीदिया अस्पताल की नई बिल्डिंग कोरोना संकट के कारण तैयार नहीं हो पाई। एक बिल्डिंग को कोरोना मरीजों के लिए तैयार करके इसे कोविड का डी ब्लॉक बना दिया गया। इस बीच जीएमसी प्रबंधन और डॉक्टरों ने कई बार कंस्ट्रक्शन कंपनी को बदलाव करने के निर्देश दिए। यही नहीं कंपनी से कई कामों का मेंटेनेंस कराने को कहा तो कंपनी के कर्मचारियों ने मना कर दिया। कंपनी के जिम्मेदारों का कहना है कि हमारा काम हेंडओवर करने के बाद मेंटेनेंस करने का है जीएमसी के अधिकारी बिना हेंडओवर लिए ही मैंटेनेंस कराने के आदेश देते हैं। इस विवाद के कारण भी अस्पताल के शुरू होने में देरी हुई।

महीने भर पहले शुरु हुई दो विभागों की ओपीडी

एक महीने पहले हमीदिया की नई बिल्डिंग में पीडियाट्रिक विभाग, आप्थेमोलॉजी विभाग के वार्डों और ओपीडी को शिफ्ट किया गया था। तब से इन दोनों विभागों के अलावा कोई नया विभाग यहां शुरू नहीं हो पाया।

नए अस्पताल में कई खासियतें

इस बिल्डिंग की कई खासियत है। नई बिल्डिंग की कई खासियत है। यहां प्रत्येक बेड पर नर्स कॉल सिस्टम है। जिससे मरीज जरूरत होने पर बेड के पास बना पैनिक बटन दबा कर नर्स या स्टाफ को बुला सकेंगा। इसमें बिल्डिंग में फायर सेफ्टी के लिए स्मोक एक्सट्रेक्टर वाले एग्जास्ट लगाए गए है, जो धुएं को तुरंत बिल्डिंग के बाहर कर देंगे। फायर सेफ्टी और इलेक्ट्रिक सेफ्टी के खास इंतजाम है।

12वें फ्लोर पर 300 लोगों के बैठने लेक्चर थिएटर

टीचिंग अस्पताल होने के चलते ब्लॉक-2 के 5वें से 11वें प्रत्येक फ्लोर को चार हिस्सों में बांटा गया है। दो हिस्से में वार्ड है। एक हिस्से में टीचिंग और दूसरे हिस्से में वेटिंग एरिया बनाया गया है। 12वें फ्लोर पर 300 लोगों की बैठने का लेक्चर थिएटर बनाया गया है। आग की घटनाओं को रोकने के लिए पूरी बिल्डिंग में सेंट्रल लाइन फायर फाइटिंग सिस्टम लगा हुआ है।

65 साल की बुजुर्ग के प्राइवेट पार्ट को टच किया

भोपाल में 22 साल के आरोपी ने गंदी हरकत की; महिला ने उसका हाथ दांत से काटा, तब भागा

भोपाल

बिलखिरिया इलाके में लकवा पीड़ित 65 साल की महिला के साथ 22 साल के युवक ने गंदी हरकत की। आरोपी ने लकवा झाड़ने के बहाने महिला के शरीर को बैड टच किया। झाड़-फूंक करते-करते उसने महिला के प्राइवेट पार्ट को भी छूना शुरू कर दिया। उसके मंसूबे भांप महिला ने उसे पीछे धकेला और उसके हाथ में दांत से काट लिया। आरोपी भाग निकला। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह आपराधिक प्रवृत्ति का है।

बिलखिरिया थाना प्रभारी राम बाबू चौधरी ने बताया कि कोकता इलाके में रहने वाली 65 साल की महिला पैरालिटक हैं। वह चल-फिर नहीं पातीं। घिसट-घिसटकर चलती हैं। शनिवार दोपहर 3 बजे वह अपने घर के बाहर बैठी हुई थीं। इसी दौरान पानी पीने के लिए घर के अंदर गईं, तभी इलाके में रहने वाला 22 साल का लादेन उर्फ अर्जुन पहुंचा। उसने बुजुर्ग से कहा कि वह झाड़-फूंक कर लकवा ठीक कर देता है। वृद्धा उसके झांसे में आ गईं। वह झाड़-फूंक करने लगा। इस बीच उसने गंदी हरकतें शुय कर दीं। महिला ने शोर मचाया, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। इस पर उन्होंने आरोपी के हाथ में काट लिया।

घर में अकेली थीं वृद्धा

TI रामबाबू ने बताया कि महिला का मेडिकल कराया गया। इसके साथ ही इलाज कराया गया। वृद्धा की हालत ठीक है। घटना के समय वह घर में अकेली थीं। उनका बेटा काम पर गया था। घटना की जानकारी लगने के बाद वह घर लौटा। इसके बाद वह मां को लेकर थाने पहुंचा।

मंत्री श्री सखलेचा ने की केंद्रीय रेल मंत्री से नीमच में विभिन्न ट्रेनों का स्टॉपेज करने का आग्रह

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने खुजराहो प्रवास पर आए केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से भेंट की। उन्होंने नीमच जिले के नागरिकों की ओर से विभिन्न रेलों का स्टॉपेज नीमच में करने का आग्रह कर तत्संबंधी मांग-पत्र भी सौंपा। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेल मंत्रालय की ओर से नीमच में विभिन्न ट्रेनों का स्टॉपेज जल्द ही करवाने का विश्वास दिलाया।

21 अप्रैल से फिर शुरू होगी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में बेटियों के विवाह के लिए परिवारों को सहायता देने वाली लोकप्रिय मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना फिर से शुरू की जा रही है। कोरोना काल में यह स्थगित रही। अब बढ़ी हुई सहायता राशि और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ योजना प्रारंभ की जा रही है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए सभी जिलों में संबंधित अमले को संवेदनशील होकर सक्रिय भूमिका निभानी है। सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी प्राप्त किया जाएगा। सीहोर जिले के नसरूल्लागंज में 21अप्रैल को योजना में सामूहिक विवाह का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान स्वयं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मुख्यमंत्री निवास में आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कन्या विवाह योजना को पुनः प्रारंभ किए जाने के संबंध में चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीहोर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्राप्त की। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

योजना क्रियान्वयन में हो पूर्ण पारदर्शिता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में पूरी तरह पारदर्शिता रहे। जन- प्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हों, समितियों में जन-प्रतिनिधि शामिल रहें। सीहोर जिले का कार्यक्रम ऐसा होना चाहिए जो अन्य जिलों के लिए आदर्श बने। योजना काफी प्रशंसनीय रही है। इस नाते कार्यक्रम भी यादगार होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन बेटियों के विवाह हो रहे हैं, उन्हें योजना में प्राप्त होने वाली सामग्री के साथ ही सामाजिक स्तर पर भी उपहार आदि देने की पहल सराहनीय है।

कलेक्टर सीहोर ने दिया प्रेजेंटेशन

कलेक्टर सीहोर ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 21 अप्रैल को हो रहे कार्यक्रम के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि सामूहिक विवाह के लिए समितियाँ गठित की गई हैं। दूल्हे, दुल्हन सहित परिजन के बैठने की व्यवस्था, वरमाला, अतिथियों के सत्कार, बैंडबाजा और आतिशबाजी के प्रबंध किए गए हैं। दंपतियों को दिए जाने वाले उपहार के संबंध में विचार-विमर्श के बाद सामग्री की व्यवस्था की गई है। योजना में प्रति हितग्राही बेटी को 55 हजार रूपए के प्रावधान में 38 हजार रूपए की सामग्री, 11 हजार रूपए का चेक और 6 हजार रूपए आयोजन व्यय शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बनगँवा केन्द्र में करवाई स्वयं की जाँच, इलाज कराने पहुँचे ग्रामीणों से ली जानकारी

भोपाल

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के रहवासियों को जिला अस्पताल की सुविधाएँ उपलब्ध करवाने टेलीमेडिसिन व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री डॉ. चौधरी ने रायसेन जिला के बनगंवा आरोग्यम उप स्वास्थ्य केन्द्र (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर) पहुँचकर आमजन की तरह स्वयं की जाँच करवाई। उन्होंने

इलाज करवाने आए ग्रामीणों से चर्चा की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, ई-संजीवनी में टेली कंसल्टेशन के माध्यम से मरीजों को उनके घर के समीप, गाँव में जिला अस्पताल के उपचार की व्यवस्थाएँ देने की अभिनव पहल की गई है। उन्होंने कहा कि सेंटर पर शुगर, ब्लड प्रेशर, हिमोग्लोबिन आदि जाँचे और 97 प्रकार की औषधियाँ नि:शुल्क उपलब्ध है। ई-संजीवनी हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर में नियुक्त सीएचओ उपचार के लिए आए मरीज से उसकी तकलीफ के बारे में पूछते हैं। बीमारी के अन्य लक्षण की जानकारी लेकर हब सेन्टर जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक को फोन पर बताया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सक आवश्यक होने पर मरीज से भी जरूरी जानकारी लेकर उपचार देते हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी को केन्द्र पर इलाज के लिए आए मरीजों ने बताया कि उनकी बात फोन पर जिला अस्पताल के चिकित्सक से हुई और विशेषज्ञ चिकित्सक ने दवाइयाँ बताई, जिसे केंद्र पर उपस्थित सीएचओ ने उन्हें प्रदान किया। मध्यप्रदेश देश का पाँचवां राज्य है, जिसने 10 हजार से अधिक ई-संजीवनी हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर स्थापित किए हैं। 9 हजार से अधिक केंद्र पर टेली मेडिसिन व्यवस्था से उपचार किया जा रहा है। एक अप्रैल 2022 से अब तक 2 लाख 24 हजार से अधिक मरीजों को टेली मेडिसिन से उपचार दिया गया है।

क्षय उन्मूलन अभियान में मध्यप्रदेश देश में नंबर वन

स्वास्थ्य मंत्री डॉ.चौधरी ने अधिकारी-कर्मचारियों को दी बधाई

भोपाल

वर्ष 2025 तक क्षय उन्मूलन के लक्ष्य प्राप्ति के लिए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 24 मार्च से 13 अप्रैल तक संचालित किए जा रहे क्षय (टीवी) उन्मूलन महाअभियान में मध्यप्रदेश, देश में नंबर वन है। आयुष्मान भारत के चौथे वार्षिक दिवस 16 अप्रैल को वर्चुअल कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मध्यप्रदेश को 5 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों की श्रेणी में नंबर वन घोषित कर प्रमाण-पत्र दिया। केंद्र सरकार द्वारा अभियान की समीक्षा की जा रही है। देश के समस्त राज्यों से प्राप्त रिपोर्टिंग एवं आंकड़ों के आधार पर

राज्यों को सम्मानित किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मांडविया ने देश में 5 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में मध्यप्रदेश को प्रथम स्थान मिलने पर बधाई दी।

कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने क्षय उन्मूलन अभियान से जुड़े स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य में क्षय उन्मूलन अभियान प्रारंभ किया था। अभियान में प्रदेश के समस्त हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर टीबी जाँच, उपचार की सुविधाएँ प्रारंभ की। क्षय रोगियों को उच्च-स्तरीय जाँच एवं निदान सुविधा उपलब्ध कराई गई। अभियान में प्रदेश के सभी जिलों में युद्ध स्तर पर कार्य किया जाकर 2 लाख 42 हजार 987 मरीजों की जाँच की गई। खोजे गए 81त्न क्षय रोगियों को निक्षय पोषण योजना का लाभ उपलब्ध करवाया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश के लिए बड़े गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उपलब्धि हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले माह विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष में सब नेशनल सर्टिफिकेशन में प्रदेश के 2 जिले पुरस्कृत हुए थे। उन्होंने कहा कि राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत होने से राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक क्षय उन्मूलन के लक्ष्य को निश्चित प्राप्त करेंगे।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

मुख्यमंत्री रेडियोवार्ता लोकवाणी की 28वीं कड़ी में आम जनता से हुए रू-ब-रू

नया बजट, नए छग के विकास की दिशा तय करने वाला, सरकार जनहित और राज्य के विकास के लिए कर रही मजबूती से काम : भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज रेडियो पर प्रसारित अपनी मासिक रेडियो वार्ता लोकवाणी की 28वीं कड़ी में प्रदेशवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा नया बजट, नए छत्तीसगढ़ के विकास की दिशा तय करने वाला है। प्रदेश की खुशहाली में जनभागीदारी की सर्वाधिक भूमिका रहे, प्रदेश की समृद्धि में प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी की भागीदारी रहे, यह हम सुनिश्चित करेंगे। हमारी सरकार जनहित और राज्य के विकास के लिए चट्टान की तरह मजबूती से काम कर रही है। कोरोना संकट, जीएसटी और केन्द्रीय करों के हिस्से में कमी के बावजूद राजस्व आधिक्य का बजट प्रस्तुत किया गया है। राज्य का ऋण भार और वित्तीय घाटा लगातार कम हो रहा है तथा पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ रहा है। आज प्रसारित लोकवाणी -'नवा छत्तीसगढ़, नवा बजट' विषय पर केन्द्रित रही। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद अब तक का सबसे बड़ा बजट राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। राज्य के बजट का आकार एक लाख 12 हजार 603 करोड़ 40 लाख रूपए है।

मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में श्रोताओं की जिज्ञासाओं का सिलसिलेवार जवाब देते हुए छत्तीसगढ़ की मजबूत आर्थिक स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ का बजट 1 लाख करोड़ के ऊपर पहुंचना, प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए गौरव का विषय है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के राज्य सरकार के बजट में हमने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या के अनुपात में बजट प्रावधान किया है, वहीं सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र को भी बराबर तवज्जो दी है। कृषि क्षेत्र को लेकर हमारी प्राथमिकता बहुत ही मुखर है। वर्ष 2022-23 में कृषि बजट के लिए 20 हजार 405 करोड़ रुपए की राशि रखी है। हम अपने संसाधनों के सम्मान, वेल्यू-एडीशन, अपनी मेहनतकश जनता की लगन और मेहनत को सही मान और राज्य के उत्पादन को सही दाम दिलाते हुए आगे बढ़ेंगे। हमारी इसी रणनीति के कारण छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति को सहारा मिला।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को विभिन्न पर्वों की दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री भपेश बघेल ने लोकवाणी की शुरूआत छत्तीसगढ़ी भाषा में की। उन्होंनें कहा जम्मो सियान-जवान, दाई-दीदी, नोनी-बाबू मन ल जय जोहार। जय सियाराम। आप सब ल रामनवमी, डॉ. अम्बेडकर जयंती, महावीर जयंती, बैसाखी, हाटकेश्वर जयंती, श्रीमद् वल्लभाचार्य जयंती, ईद-उल-फितर के गाड़ा-गाड़ा बधाई। हमर छत्तीसगढ़ के प्राचीन नाम दक्षिण कोसल रिहिस। हमर छत्तीसगढ़ म भगवान राम ल भांचा माने जाथे। ते पायके हमन, छत्तीसगढ़ म माता कौशल्या, भगवान राम, सीता माता, लवकुश के चिन्हारी के सुरता हमेशा-हमेशा के लिए मजबूत करे बर, राम वन गमन

पथ विकसित करत हन। कोरिया ले सुकमा जिला तक 2 हजार 660 किलोमीटर म राम वन गमन के चिन्हारी ल संजाए जाथे। प्रथम चरण म 9 जगह म विकास के बूता करे जाथे। ओमा दू जगह लोकार्पण करे गे हे। चंदखुरी अउ शिवरीनारायण म विकास कार्य के लोकार्पण बताथे के हमन मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रद्दा म चलत हन। ''प्राण जाए पर वचन न जाए'' हमर सिद्धांत हे। जनता ल दिए वचन निभाए के खातिर हमर नेता मन घलो बलिदान दे हे। हर कीमत म हमन वादा पूरा करबो, ऐला जनता मन जानथे अउ मानथे। लोकवाणी में रायपुर जिले के मलदा गांव के श्री उमाकांत वर्मा, छत्तीसगढ़ को 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री को बधाई दी। रायपुर के श्री राजेश वासवानी ने राजस्व आधिक्य का बजट पेश करने और कोरोना की चुनौती के बावजूद बजट में कोई भी नया कर व्यापारियों के ऊपर नहीं लगाने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में कहा कि एक जमाना था जब दिल्ली की यूपीए सरकार द्वारा प्रदेश को केन्द्र से अधिक राशि दी जाती थी, लेकिन तब भी हमारे प्रदेश में आधिक्य का बजट नहीं बना था। अब की स्थिति में तो हमारे बजट में राज्य और केन्द्र की राशि लगभग बराबर है। इसके अलावा जीएसटी से संबंधित समस्या और भी अधिक गहरा रही है। इसके बावजूद हमने अपने राज्य की कुशलता के आधार पर आधिक्य का बजट बनाया है। हमारी सरकार ने आर्थिक मोर्चे पर छत्तीसगढ़ को जिस मुकाम पर पहुंचाया है, उस पर पूरे प्रदेशवासियों का सिर, सम्मान और गौरव से ऊंचा हुआ है।

बजट में सामाजिक क्षेत्र के लिए 37 प्रतिशत का प्रावधान

लोकवाणी में कबीरधाम जिले के रणवीरपुर की आम्रपाली सहारे के बजट की प्राथमिकता के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति की आबादी लगभग 45 प्रतिशत है। हमारे बजट के कुल प्रावधान में 33 प्रतिशत राशि अनुसूचित जनजाति के लिए और 12 प्रतिशत राशि अनुसूचित जाति के लिए है। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में देखें तो हमने 40 प्रतिशत प्रावधान आर्थिक क्षेत्र के लिए रखा है तो इसके करीब ही 37 प्रतिशत का प्रावधान सामाजिक क्षेत्र के लिए भी किया है। राजनांदगांव मोहला के श्री संजय जैन ने राज्य की ऋण स्थिति के संबंध में पूछा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सवाल जवाब देते हुए कहा कि 17 दिसम्बर 2018 की स्थिति में हमें 41 हजार 695 करोड़ का ऋण भार विरासत में मिला था। हमारी सरकार बनने के बाद शुद्ध ऋण में वृद्धि 42 हजार 528 करोड़ है। इसके पीछे एक बड़ा कारण है कि भारत सरकार से जीएसटी क्षतिपूर्ति नहीं मिलने के कारण हमें जीएसटी ऋण लेने के लिए कहा गया, अगर हमें जीएसटी की राशि मिल जाती तो ऋण नहीं लेना पड़ता। इसमें वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में भारत सरकार से प्राप्त जीएसटी ऋण 8 हजार 74 करोड़ तथा विशेष केन्द्रीय सहायता ऋण 568 करोड़ सहित कुल 8 हजार 642 करोड़ शामिल है। इसे कम करने पर सरकार द्वारा लिया गया शुद्ध ऋण केवल 33 हजार 886 करोड़ है। विगत 3 वर्षों में केन्द्र सरकार से केन्द्रीय करों में राज्य के हिस्से की राशि में 13 हजार 89 करोड़ की कमी तथा कोविड-19 आपदा के कारण राज्य के राजस्व में अपेक्षित वृद्धि नहीं भी एक बड़ा कारण है, जिससे हमें यह ऋण लेना पड़ा। हमने वर्ष 2021-22 में 8 हजार 71 करोड़ का शुद्ध ऋण लिया। वर्ष 2022-23 के बजट में इसे और भी कम करते हुए शुद्ध ऋण 7 हजार 100 करोड़ किया गया है। इस प्रकार ऋण लेना लगातार कम किया जा रहा है। हमने जो भी ऋण लिया है, उसका लाभ किसानों तथा जरूरतमंद परिवारों को मिल रहा है और लौटकर अर्थव्यस्था में आ रहा है। इस तरह से हमने एक ओर जहां धीरे-धीरे ऋण भार को कम करने में सफलता पाई है, वहीं दूसरी ओर जनहित के कार्यों को थमने नहीं दिया है।

अनेक चुनौतियों के बावजूद किया गया स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

कोरिया जिले के चिरमिरी के श्री राहुल भाई पटेल पूंजीगत व्यय के संबंध में पूछा। मुख्यमंत्री ने उनके सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 2021-22 का पूंजीगत व्यय 14 हजार 191 करोड़ तथा वर्ष 2022-23 के बजट में 15 हजार 241 करोड़ रखा गया है। इस प्रकार पूंजीगत व्यय में लगातार वृद्धि हो रही है। हमें सरकार चलाते हुए सिर्फ तीन साल हुए हैं। हमसे पहले जब सामान्य परिस्थितियां थीं, केन्द्र से राज्य के हक की राशि बराबर मिल रही थी, और कोरोना शुरू भी नहीं हुआ था तब भी प्रदेश के मुख्य बजट में पूंजीगत व्यय 15 हजार करोड़ के आसपास ही था। 15 साल का औसत तो और भी कम होगा। वैसे भी कोरोना संकट जैसी स्थिति में सरकार की प्राथमिकता दवा, उपचार की सुविधा बढ़ाना, अस्पतालों का विस्तार करना, रोजी-राहत का इंतजाम करना था, ऐसे समय की सबसे बड़ी प्राथमिकता राहत कार्यों की होती है। पूंजीगत व्यय की नहीं। फिर भी हमने संतुलन बनाए रखा। हमने पूंजीगत व्यय को कम नहीं होने दिया। इसलिए आप विश्वास रखिए, हमारी सरकार जनहित और राज्य के विकास के लिए चट्टान की तरह मजबूती से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कोरबा के डॉ. सूरज कुमार गोहिल द्वारा वित्तीय घाटे को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि वर्ष 2021-22 में सकल वित्तीय घाटा 15 हजार 257 करोड़ था। वर्ष 2022-23 के लिए इसे कम करते हुए 14 हजार 600 करोड़ अनुमानित रखा गया है। इसमें 3 हजार 400 करोड़ 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण की राशि शामिल है, जिसे कम करने पर यह घटकर 11 हजार 200 करोड़ होगा, जो वर्ष 2022-23 के लिए राज्य की जीएसडीपी का केवल 2.55 प्रतिशत होगा। यह एफआरबीएम एक्ट के अंतर्गत निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से काफी कम है। अतः वित्तीय घाटा भी लगातार कम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ हमारे हाथों में सरकार की बागडोर सौंपी है, उस भरोसे पर खरे उतरने के लिए हम भरपूर मेहनत कर रहे हैं और उसकी सफलता आपके सामने है।

राज्य सरकार किसी भी हालत में अपने वायदे से पीछे हटने वाली नहीं

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने धमतरी जिले के ग्राम-जी जामगांव, श्री शुभम दास बघेल ने जानना चाहा कि 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' नए वित्तीय वर्ष में भी चालू रहेगी या नहीं? कोण्डागांव जिले के ग्राम बरगई श्री महेश कुमार बघेल ने नए बजट में वन अंचल और ग्रामीण अंचल के विकास के लिए किए गए प्रावधानों के संबंध में जानना चाहा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के लिए हमने इस बार भी 6 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। इसका मतलब यह है कि योजना चालू रहेगी। विगत दो वर्षों में इस योजना के माध्यम से 11 हजार 180 करोड़ रुपए की राशि दी गई है।

उन्होंने कहा कि आप विश्वास रखिए कि हम किसी भी हालत में अपने वायदे से पीछे हटने वाले नहीं हैं और जो काम शुरू किए हैं, उन्हें आगे भी जारी रखेंगें ताकि धान के किसानों को विभिन्न योजनाओं के सहयोग से 2500 रुपए प्रति क्विंटल से कम दाम किसी भी सूरत में न मिले। गन्ना के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 271 से बढ़ाकर 355 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज दिलाने के लिए 'कृषक समग्र विकास योजना' में 123 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान है। 'चिराग परियोजना' के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। फल-फूल और सब्जी की खेती के लिए किसानों को अनुदान सहायता दी जाएगी। कृषि तथा उद्यानिकी फसलों के सुरक्षित भण्डारण के लिए इंटीग्रेटेड पैक हाउस की स्थापना की जाएगी। फसल बीमा योजना के लिए 575 करोड़ रुपए का प्रावधान तथा खाद्य सुरक्षा मिशन, ड्रिप और स्प्रिंकलर तथा कृषि उपकरणों के लिए 470 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए गौठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित करने का संकल्प भी हम पूरा करने जा रहे हैं। यहां बुनियादी अधोसंरचना के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

समाज के हर वर्ग के आर्थिक स्वावलंबन का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम एक जनकल्याणकारी सरकार हैं। मेरा यह मानना है कि समाज के हर वर्ग को आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। मैंने बजट में यह घोषणा की है कि पीएससी तथा व्यापम अब अपने परीक्षार्थियों से परीक्षा शुल्क नहीं लेगा। बजट के बाद भी एक नई घोषणा करते हुए हमने विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से होने वाली परीक्षाओं में भी परीक्षा शुल्क माफ कर दिया है। इस तरह हम युवाओं की मदद के लिए एक कदम और आगे बढ़े हैं। आदिवासी अंचलों में देवस्थलों पर पूजा करने वाले, मांझी, बैगा, गुनिया, पुजारी से लेकर हाट पाहर्या, बाजा मोहरिया आदि लोगों को 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' से जोड़ने की घोषणा की गई है। इस योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को मिलने वाली वार्षिक सहायता राशि 6 हजार से बढ़ाकर 7 हजार रुपए कर दी गई है। कुंभकार परिवारों को विद्युत चाक का वितरण किया जाएगा। शासकीय अधिवक्ताओं के मानदेय में वृद्धि का प्रावधान किया गया है।

सैगोना में हनुमान चालीसा व भंडारा का आयोजन हुआ

कवर्धा सैगोना। शनिवार को शहर में भारी उत्साह पूर्वक श्री हनुमान जी की जयंती मनाई गई। वहीँ जगह जगह पर श्रद्धालु जन भंडारा का आयोजन करते दिखे। कही भी किसी प्रकार की विवाद नहीं हुई सभी धर्म के लोग भी एक दूसरे को बधाई देते रहे।

वही कवर्धा से लगा कलेक्ट्रेट के बाजू मजगांव रोड सैगोना में भी भारी धूमधाम से पहली बार श्री हनुमान जयंती मनाई गई , सबसे पहले वहा पर सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तत्पश्चात पुजारी पंचमुखी मंदिर श्री मन्नू तिवारी जी के द्वारा हवन पूजन करवाकर प्रसाद भंडारा का आयोजन प्रारंभ करवाया गया जो कि रात्रि करीब 8बजे तक चला। ग्राम के मुखिया सरपंच प्रतिनिधि श्री हेमंत पटेल एवं नगरपालिका पार्षद श्री भक्कू यादव का विशेष योगदान रहा भंडारा कार्यक्रम में श्री विजय शर्मा ,श्री कैलाश चंद्रवंसी ने भी कार्यक्रम में आकर प्रसाद ग्रहण किए। पूरे ग्राम एवं मोहल्ले से आए वृद्ध जन एवं छोटे छोटे बालको ने भी बड़ी खुशी के साथ कार्यक्रम

में सहभागी बने कार्यक्रम देर रात्रि करीब 8बजे तक चला।

कार्यक्रम का संचालन वाट्सअप के माध्यम से संपन्न हुआ था तो अंत में ग्रुप एडमिन श्री अभिताब नामदेव ने सफल जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाने में सहयोग के लिए सभी का आभार मानते हुए सभी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोगी का धन्यवाद किए और आगे बताया कि समिति के सदस्यो द्वारा जल्दी ही मंदिर के पास प्याऊ खोलने का प्लान बनाया जा रहा है जिससे आने जाने वाले राहगीरों को ठंडा पानी मिल सकेगा।

आयोजन को सफल बनाने में डेविड खत्री दीपक सिंहा पवन साहू सूर्या झरिया सुनील आनंद पिपरिया, नीलेश गुप्ता गौतम चंद खत्री ऋतिक भठिया रामकुमार पटेल चिंता राम धुर्वे हीरालाल साहू हरी पटेल सुखी राम चंद्रवंशी सोनू पाली सत्ते लाल गुरुजी सिवा साहू विष्णु श्रीवास रामकिशुन पटेल बालासिह राजपूत संतोष झरिया का विशेष सहयोग रहा।

जिला अस्पताल में इलाज के दौरान कैदी की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

जांजगीर-चांपा। अवैध शराब बिक्री के मामले में जेल में बंद विचाराधीन कैदी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मगर स्वजनों का आरोप है कि आबकारी विभाग द्वारा उसके साथ मारपीट की गई थी जिसके चलते युवक की जान चली गई। आक्रोशित स्वजन और ग्रामीणों ने आज एसपी आफिस का घेराव भी कर दिया और जमकर नारेबाजी की। आबकारी विभाग ने शुक्रवार को युवक को शराब बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया था।

जानकारी के अनुसार नवागढ़ थाना क्षेत्र के कटौद निवासी जगदीश गोंड (32) शुक्रवार 15 अप्रैल को शादी समारोह में शामिल होने बिर्रा जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में ही आबकारी विभाग ने उसे पकड़ लिया था। बाद में

उसे पुलिस को सौंप दिया था। जिसके कारण वह जिला जेल में बंद था।

इस बीच रविवार सुबह पुलिस ने कोटवार के माध्यम से स्वजन को सूचना दी कि इलाज के दौरान जगदीश की मौत हो गई है। उसका शव जिला अस्पताल में रखा गया है। आकर शव ले जाएं। यह सूचना मिलते ही स्वजन आक्रोशित हो गए। इसके बाद स्वजन, ग्रामीण और सामाजिक संगठन के पदाधिकारी दोपहर में एसपी आफिस पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। उनका आरोप है कि आबकारी विभाग के कर्मचारियों ने जगदीश को इतना पीटा की उसकी जान चली गई। उन्होंने मांग रखी कि चार डाक्टर मिलकर शव का पीएम करें। साथ ही स्वजन ने मुआवजे की भी मांग की है। इस संबंध में उन्होंने एसपी से भी बात करने की कोशिश की। मगर वहां किसी से बात नहीं हो सकी। एसपी कार्यालय के सामने प्रदर्शन की सूचना पर नायब तहसीलदार सीता शुक्ला मौके पर गई थीं।

सीएम छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज चंदखुरी राज के सम्मेलन में हुए शामिल

सवा तीन साल में छत्तीसगढ़ को मिली नई पहचान: सीएम बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारे पुरखों ने जिस छत्तीसगढ़ का सपना देखा था, पिछले सवा तीन साल के दौरान हमने उन्हीं सपनों को साकार करने की दिशा में काम किया है। श्री बघेल ने कहा कि हम सब ने छत्तीसगढ़ महतारी का मान बढ़ाने और छत्तीसगढ़ को नयी पहचान दिलाने का संकल्प लिया था और मात्र सवा तीन साल में ही हम छत्तीसगढ़ को नयी पहचान दिलाने में कामयाब हुए हैं। सवा तीन साल पहले तक छत्तीसगढ़ को खदानों या फिर नक्सल उपद्रव के नाम पर जाना जाता था, आज छत्तीसगढ़ की चर्चा उसके गांवों की समृद्धि को लेकर होती है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल आज रायपुर जिले के ग्राम टीला में आयोजित छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज चंदखुरी राज के 76वें महाअधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए अनेक सौगातें दी। मुख्यमंत्री ने मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रुपये की मंजूरी दी। उन्होंने टीला-हथखोज सड़क पर महानदी में उच्च स्तरीय पुल निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए प्राक्कलन तैयार कर इसे अगले बजट में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपारण को रामवन गमन पथ सर्किट में शामिल किया जायेगा। चंपारण के विकास के लिए योजना बनाई जाएगी। कौशल्या माता के जन्म की सही तिथि का पता लगाकर आने वाले समय में कौशल्या माता जन्म उत्सव मनाया जाएगा।

इस सामाजिक अधिवेशन में मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष श्री चोवा राम वर्मा, विधायक अभनपुर श्री धनेंद्र साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष रायपुर श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती किरणमयी नायक, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री विनोद वर्मा सहित बड़ी संख्या में मनवा कुर्मी समाज के लोग

मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिवेशन में सबसे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभ भाई पटेल, स्वामी आत्मानंद महाराज, डॉ. खूबचंद बघेल सहित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज का संगठन अब और ज्यादा मजबूत हो रहा है। सभी के प्रयास से सामाजिक जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि खेती किसानी, पढ़ाई-लिखाई, डॉक्टरी-इंजीनियरिंग से लेकर व्यापार या राजनीति हर क्षेत्र में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभायी है, और अब छत्तीसगढ़ निर्माण से लेकर नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने तक छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के लोग अग्रिम पंक्ति में सक्रिय होकर माटी की सेवा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों और गांवों को मजबूती देने के लिए सरकार ने जो योजनाएं बनाई हैं, आज पूरे देश में उसकी चर्चा हो रही है। सरकार ने किसानों और आदिवासियों की आय बढ़ाने के लिए गांव-गांव में फूड प्रोसेसिंग का काम शुरू किया है। सुराजी गांव योजना में 10 हजार 500 गौठान निर्माण की स्वीकृति हो चुकी हैं। इनमें से 8500 से ज्यादा गौठानों का निर्माण पूरा भी हो चुका है। जिसमें से साढ़े 6 हजार गौठान सक्रिय हैं।

श्री बघेल ने कहा कि गोधन न्याय योजना की शुरुआत दो रुपए किलो में गोबर खरीदकर जैविक खाद बनाने से हुई थी, लेकिन अब बिजली उत्पादन, प्राकृतिक पेंट के निर्माण से लेकर गो-काष्ठ बनाने तक का काम इसी योजना में हो रहा है। गोधन न्याय योजना का लाभ 2 लाख से ज्यादा लोग उठा रहे हैं, इनमें लगभग आधी संख्या माताओं और बहनों की है। इस योजना से महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य भी हासिल कर रहे हैं। तेल मिल, दाल मिल, राइस मिल की स्थापना का कार्य भी इसी योजना में किया जा रहा है। गोधन की सेवा और संरक्षण के साथ-साथ कृषि लागत में कमी लाने, पर्यावरण को बेहतर बनाने, किसानों की आय में बढ़ोतरी करने के साथ इस योजना से लाखों लोगों को रोजगार भी मिला है।

हिंदी माध्यम के 32 नए आत्मानंद स्कूल भी खुलेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना के अंतर्गत 172 स्कूल स्थापित करने के बाद अब हिंदी माध्यम के 32 स्वामी आत्मानंद विद्यालय आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में स्वामी आत्मानंद स्कूलों की प्रत्येक कक्षा में प्रवेश संख्या 40 से बढ़ाकर 50 करने की घोषणा की है। इससे अब और भी बड़ी संख्या में छात्रों को इस योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते तीन साल हमने छत्तीसगढ़ में विकास की नींव स्थापित करने का काम किया है। अब उस नींव पर इमारत आकार लेने लगी है। आने वाले समय में हम अपने सपनों के अनुरूप गौरवशाली छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे।

संपादकीय

कुशलता के चालक

हवाई जहाजों के परिचालन में चालकों की कुशलता सबसे अहम होती है। हालांकि हमारे यहां व्यावसायिक विमान चालकों के प्रशिक्षण केंद्र बढ़े हैं और उनमें से काफी युवा पायलट के तौर पर निकलते हैं। पिछले कुछ सालों में विमानन सेवा में प्रतिस्पर्धा बढ़ने और अनेक देशी-विदेशी कंपनियों के इस क्षेत्र में उतर आने की वजह से विमान चालकों की मांग भी काफी बढ़ी है। मगर हकीकत यह है कि अभी हमारे यहां सभी तरह के विमान उड़ाने वाले चालकों की कमी है। बहुत सारे चालक खराब मौसम और छोटी हवाई पट्टी पर विमान उतारने में सक्षम नहीं हैं।

कई विमान विशेष तकनीक से लैस हैं और उनमें थोड़े-थोड़े समय पर तकनीकी बदलाव होते रहते हैं, उन बदलाओं की जानकारी भी बहुत सारे चालकों को नहीं है। यही वजह है कि नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ने स्पाइस जेट विमान कंपनी के नब्बे चालकों को 737 मैक्स विमान उड़ाने के अयोग्य करार दिया। दरअसल, इस विमान में विशेष तकनीक का उपयोग हुआ है और जिन चालकों को इसे उड़ाने से रोका गया, उन्हें इस तकनीक का उचित प्रशिक्षण नहीं है। उन्हें संतोषजनक प्रशिक्षण लेने को कहा गया है।

करीब तीन साल पहले अदीस अबाबा के पास इथियोपियन कंपनी का मैक्स विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, तब डीजीसीए ने इस विमान की उड़ान ही बंद कर दी थी। फिर जब इसके साफ्टवेयर में बदलाव किया गया, तो इसे उड़ान भरने की इजाजत दी गई। स्पाइस जेट के बेड़े में ग्यारह मैक्स विमान हैं।

दरअसल, डीजीसीए हवाई उड़ानों को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के मकसद से समय-समय पर पायलटों की कुशलता का मूल्यांकन करता रहता है। उसी के तहत स्पाइसजेट के पायलटों पर रोक लगाई गई है। हालांकि इस रोक के बावजूद स्पाइस जेट कंपनी पर मैक्स विमानों के परिचालन में कोई अड़चन नहीं आएगी, क्योंकि उसके पास जरूरत से कहीं अधिक प्रशिक्षित चालक हैं। दरअसल, विमानन कंपनियां आजकल स्थायी चालक नियुक्त करने के बजाय घंटे के हिसाब से भुगतान पर व्यावसायिक पायलटों को रखती हैं।

इस तरह उनके पास पायलटों की अच्छी-खासी तादाद होती है। मगर भारतीय चालकों में बहुत सारे ऐसे हैं, जिन्हें विमान उड़ाने की बुनियादी जानकारी तो है, पर लंबी दूरी के विमान उड़ाने में उनकी वह जानकारी काम नहीं आती। घरेलू और बाहरी देशों के लिए संचालित विमानों को उड़ाने में बहुत अंतर होता है। प्राय- विदेशी उड़ानों के लिए अत्याधुनिक तकनीक और अधिक क्षमता वाले विमान इस्तेमाल होते हैं और अलग-अगल देशों की भौगोलिक बनावट और मौसम के अनुसार उन्हें उड़ाने की अपेक्षा होती है। इसमें कई चालक कुशल साबित नहीं होते।

अक्सर सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा होता है, तो उड़ानें देर से चलती हैं, उन्हें कई बार रद्द करना पड़ता है या कभी-कभार उतरते समय हवाई पट्टी पर उनके फिसलने की घटनाएं भी सामने आती हैं। इसलिए कि कम दृश्यता में विमान उतारने का प्रशिक्षण कम चालकों को है। कहने-सुनने में यह प्रशिक्षण साधारण-सा लग सकता है, मगर इसके लिए विदेशी प्रशिक्षण केंद्रों में लाखों की रकम चुकानी पड़ती है, जो हर चालक के लिए संभव नहीं हो पाता। इसी तरह अलग-अलग विमानों को उड़ाने के प्रशिक्षण दिए जाते हैं।

इस बंगाल पर हमें कितना नाज

साल1990 की एक बेहद दुखद घटना है। आज से 32 साल पहले बंगाल के बनताला में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। कोलकाता शहर से 20 किलोमीटर दूर चिकित्सा विभाग की तीन अधिकारियों के साथ निर्ममता के साथ ज्यादती हुई थी। एक मेडिकल ऑफिसर अनीता दीवान की तो मौके पर ही हत्या तक कर दी गई थी। 30 मई, शाम साढ़े छह बजे के करीब भीड़ ने हैवानियत को अंजाम दिया था, जिनमें सत्तारूढ़ वामपंथी पार्टी के कार्यकर्ता भी शामिल थे। ज्योति बसु तब मुख्यमंत्री थे। बहुत हंगामा हुआ था और तब ममता बनर्जी प्रतिपक्ष में थीं। इस हिंसा व बलात्कार के विरोध को वह अलग ही स्तर पर ले गई थीं। ज्योति बसु ने प्रतिक्रिया की थी कि 'ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्या नहीं होती हैं...गलतियां होती हैं।' उस दौर में भी ऐसी घटनाएं जब होती थीं, तब ज्योति बसु अक्सर बोल देते थे कि बिहार में इससे ज्यादा होता है।

(जयंतो घोषाल, वरिष्ठ पत्रकार)

साल1990 की एक बेहद दुखद घटना है। आज से 32 साल पहले बंगाल के बनताला में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई थी। कोलकाता शहर से 20 किलोमीटर दूर चिकित्सा विभाग की तीन अधिकारियों के साथ निर्ममता के साथ ज्यादती हुई थी। एक मेडिकल ऑफिसर अनीता दीवान की तो मौके पर ही हत्या तक कर दी गई थी। 30 मई, शाम साढ़े छह बजे के करीब भीड़ ने हैवानियत को अंजाम दिया था, जिनमें सत्तारूढ़ वामपंथी पार्टी के कार्यकर्ता भी शामिल थे। ज्योति बसु तब मुख्यमंत्री थे। बहुत हंगामा हुआ था और तब ममता बनर्जी प्रतिपक्ष में थीं। इस हिंसा व बलात्कार के विरोध को वह अलग ही स्तर पर ले गई थीं। ज्योति बसु ने प्रतिक्रिया की थी कि 'ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। क्या नहीं होती हैं...गलतियां होती हैं।' उस दौर में भी ऐसी घटनाएं जब होती थीं, तब ज्योति बसु अक्सर बोल देते थे कि बिहार में इससे ज्यादा होता है।

एक बार बंगाल में एक मूक-बधिर बच्ची के साथ बलात्कार की घटना हुई थी, तो ममता बनर्जी पीड़िता को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय रायटर्स बिल्डिंग पहुंच गई थीं। तब मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने मिलने से मना कर दिया था और कहा गया था कि बिना समय दिए नहीं मिल सकते। तब ममता बनर्जी के साथ खूब धक्का-मुक्की हुई थी। खूब खबरें छपी थीं और खूब चर्चाएं चली थीं। वाकई, इतिहास निष्ठुर होता है, इतिहास की पुनरावृत्ति होती रहती है। ममता बनर्जी आज मुख्यमंत्री हैं, पश्चिम बंगाल में आज भी बलात्कार होते हैं, लेकिन उनके बयान सुन लीजिए। आज कानून-व्यवस्था की स्थिति और ममता बनर्जी की असंवेदनशीलता के बारे में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी भाजपा के अलावा वाम पार्टियां और कांग्रेस भी खूब शोर मचा रही हैं। दूसरी ओर, आज सत्ता में बैठी तृणमूल कांग्रेस बहुत नाराज है, उसका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे मामलों में जरूरत से ज्यादा राजनीति कर रही है।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा पूरी ताकत के साथ पश्चिम बंगाल में जीतने के इरादे से उतरी थी। फिर भी ममता बनर्जी ने भाजपा को हरा दिया और उसके केंद्रीय नेतृत्व को भी चकित कर दिया। कहा गया कि यह ममता मैजिक है। वह बहुत आक्रामक ढंग से राजनीति करती हैं और भाजपा ने भी बंगाल में यही किया है, लेकिन पूरी ताकत लगाने के बावजूद भाजपा हार गई। ममता बनर्जी अग्रणी नेता बनकर उभर आईं, पर वास्तव में उनकी स्थिति आज कैसी है

तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल से बाहर कोई बेहतर स्थिति नहीं है। उसने गोवा और त्रिपुरा में कोशिश की। गोवा में उसके पास कुछ नहीं था, तो कुछ बढ़ा है, लेकिन खास सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, अरविंद केजरीवाल ने तो पंजाब में गजब कर दिया। आज केजरीवाल भी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के नेता बनना चाहते हैं। लेकिन आज जो बंगाल में दिख रहा है, बंगाल के बारे में सोशल मीडिया में जो चल रहा है, उसमें ममता बनर्जी की लोक-कल्याणकारी राजनीति पीछे जाती हुई लग रही है। आज भी भाजपा अगली लड़ाई जीतने के लिए सक्रिय है। बंगाल ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा का जोश कम नहीं हुआ है, जबकि ममता बनर्जी की राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति नहीं है। अभी कुछ समय पहले तक सेकुलर, लेफ्ट से जुड़ा नागरिक समाज भी यह सोचने लगा था कि ममता भाजपा को हरा सकती हैं, पर आज क्या स्थिति है

पत्रकारिता में मुझे 40 साल का अनुभव हो रहा है और 35 साल दिल्ली में रहा हूं। मेरी जड़ें उसी बंगाल में हैं, जो कभी देश की राजधानी हुआ करता था। बॉम्बे को व्यावसायिक राजधानी कहा जाता रहा व कोलकाता को सांस्कृतिक राजधानी। यह चैतन्य महाप्रभु, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन का बंगाल है, महाकवि टैगोर का बंगाल है, जो पूरे देश को गर्व की अनुभूति देता है। यह आज भी कमोबेश भारत की सांस्कृतिक राजधानी है। एक समय सांस्कृतिक संवेदनशीलता सबसे ज्यादा बंगाल में बताई जाती थी। नागरिक समाज में बंगाल की हमेशा से काफी कद्र रही है। पर अब बंगाल के बारे में जो धारणा बन रही है, मैं दुखी हूं। बंगाल के सम्मान की हमें रक्षा करनी है।

जब लालकृष्ण आडवाणी उप-प्रधानमंत्री थे, कमल पांडेय गृह सचिव हुआ करते थे। तब विज्ञान भवन में डीजी, आईजी सम्मेलन हुआ था। उसमें पेश रिपोर्ट के अनुसार, बंगाल में सांप्रदायिक और जातिगत हिंसा कम है, लेकिन राजनीतिक हिंसा सबसे ज्यादा है। उसके बाद कांग्रेस के समय सुशील कुमार शिंदे जब गृह मंत्री बने, तब भी आईजी-डीजी सम्मेलन में आईबी ने रिपोर्ट पेश की थी और उसमें भी बंगाल में सबसे ज्यादा राजनीतिक हिंसा देखी गई थी। वहां आज भी राजनीतिक हिंसा की परंपरा कायम है। अब तो यह बहस होने लगी है कि क्या बंगाली डीएनए में हिंसा है हम देख रहे हैं कि सत्ता में ममता बनर्जी के दस साल पूरे हो चुके हैं। क्या राजधर्म के तहत एक नेता की कोई जम्मेदारी नहीं बनती प्रतिपक्ष का काम है मुद्दे उठाना, पर सत्ता पक्ष का काम है, जिम्मेदारी उठाकर समाधान तलाशना।

जो कुछ हो रहा है, पश्चिम बंगाल के लिए अच्छा नहीं है। वहां हम हर स्तर पर अप्रिय संघर्ष देख रहे हैं। पूरे देश में बंगाल चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। एक समय इतना मीडिया नहीं था, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नहीं था, आज हर पल ब्रेकिंग न्यूज है। ब्रेकिंग न्यूज से धारणा बनती है और राजनीति भी संचालित होती है। बंगाल में हताशा बढ़ रही है। आज नौकरी चाहिए, आगे बढ़ने का अवसर चाहिए। नई पीढ़ी शिक्षा को लेकर आगे बढ़ना चाहती है, बंगाल का नाम रोशन करना चाहती है। अत-फैल रही नकारात्मकता का उपचार बंगाल में ममता बनर्जी को ही करना होगा। ममता बनर्जी को राजनीति में कतई कम नहीं आंका जा सकता। अभी लोकसभा चुनाव में दो साल बाकी हैं, राजनीति क्या करवट लेगी कहना कठिन है। उनका खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। अभी तो खूब राजनीति होगी, चुनाव आएगा, पर अभी बलात्कार और हिंसा से बंगाल की जो छवि बिगड़ रही है, जो चुनौती पेश हो रही है, बहुत दुख की बात है। हर बंगालवासी को इससे मुकाबला करना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

लू लगना और उसका उपचार

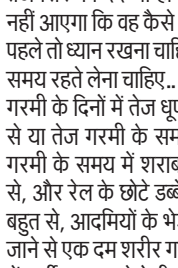

राहु के साथ सूर्य का गोचर मेष राशि में (15 अप्रैल से 15 मई तक) उच्च का सूर्य माना जाता है और अगर यह राहु के साथ है तो निश्चित जानिए कि इस समय हवाएं लू के रूप में थपेड़ों से सारा जनमानस परेशान हो जाएगा. और अग्नि भय बहुत ज्यादा होगा, साथ ही इससे बहुत तेज सिर का दर्द भी होगा और लोगों को समझ नहीं आएगा कि वह कैसे ठीक हो.. इसलिए सबसे पहले तो ध्यान रखना चाहिए कुछ टिप्स बता रही हूं समय रहते लेना चाहिए..

गरमी के दिनों में तेज धूप और गरम हवा में जाने से या तेज गरमी के समय हवा के बन्द होने से, गरमी के समय में शराब पीने से, परिश्रम करने से, और रेल के छोटे डब्बे में तेज गरमी के समय बहुत से, आदमियों के भेड़ बकरियों की तरह भर जाने से एक दम शरीर गर्म हो जाता है और शरीर में गर्मी बढ़कर बेहोशी होने लगती हैं, उसे 'लू लगना' कहते हैं। यह रोग प्राय : दोपहर को हुआ करता हैं, परन्तु बहुत गरम देशों में रात को भी हो जाया करता हैं। जो लोग गरमी के समय बारीक या काले रंग के कपड़े पहन कर धूप में घूमते हैं उनको लू लगने का अधिक डर रहता हैं।

लक्षण-धूप में जाने या गरम हवा लगने के साथ ही सर दर्द होता हैं, और सर में चक्कर आता हैं। आंखें लाल हो जाती हैं, और फिर जोर का बुखार चढ़ आता हैं। बुखार बहुत ही तेज होता हैं। कभी-2 तो 108 डिग्री से भी ऊपर पहुँच जाता हैं। बेचैनी और घबराहट बहुत अधिक होती हैं। प्यास बढ़ जाती हैं। दिल जोर-2 से धड़कने लगता हैं। साँस लेने में भी कठिनाई होती हैं। पेशाब भी बार बार आता हैं।

यदि शीघ्र ही उचित उपाय नहीं किया जाता या उपाय सफल नहीं होता तो बेहोशी हो जाती हैं और कभी-2 तो इसी बेहोशी में कुछ मिनटों में ही प्राण पखेरू उड़ जाते हैं।

अगर गरमी का असर थोड़ा हुआ तो बुखार नहीं आता, बल्कि शरीर की गरमी कम हो जाती है और आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है शरीर चिपचिपा मालूम देता हैं। जी मिचलाता और उल्टी होती हैं। आंखों की पुतलियाँ फैल जाती हैं और रोगी को एकदम कमजोरी आ जाती हैं।

किसी-किसी को खूब पसीना आता हैं, और दम फूल जाता हैं। कभी-2 इस दशा में भी बेहोशी होकर और दिल की धड़कन बन्द हो मृत्यु हो जाती हैं।

पूर्व उपाय

1-लू से बचने के लिए गरमी के दिनों में नंगे पैर धूप में न जाना चाहिये। या तो छतरी लेनी चाहिये या अगर साफा बाँधा हो तो उसका छोर कमर तक लटकता रहना चाहिये, जिससे रीढ़ की हड्डी धूप के असर से बची रहे। काले रंग के कपड़े भी न पहनने चाहिए।

2- गरमी के दिनों में माँस, मछली, अंडा, गर्म मसाला, चाय और शराब आदि गरम चीजों से बचना चाहिये। कब्ज न रहने देना चाहिये। रोजाना प्रात :काल और दोपहर को ठण्डे पानी से नहाना चाहिये। प्रात :काल छाछ (तक्र मट्ठा) या दही की लस्सी पीना लाभदायक हैं।

जिन्हें कभी एक बार यह रोग हो चुका हो उन्हें बहुत सावधान रहना चाहिये।

लू लगे रोगी को फौरन ठण्डी जगह में आराम से लिटा दें। ठण्डा पानी पिलावें। मिल सके तो बरफ चुसावें। सिर पर ठण्डा पानी बहुत देर तक न डालते रहना चाहिये।

अगर रोगी बेहोश हो जाय तो बार-2 मुँह पर ठण्डे पानी के छींटें दें, और सिर पर 1-2 घड़ा ठण्डा पानी डलवा दें।

यह ध्यान रखना चाहिये कि रोगी को ठण्डे पसीने आते हों, या साँस जोर जोर से आने लगे और नाड़ी कमजोर हो जाये तो पानी न डालकर सिर्फ मुँह पर जोर जोर से ठण्डे पानी के छींटे मारें।

रोगी को तेज बुखार हो तो ऊपर वाला ठण्डा इलाज इतनी देर तक करें कि बुखार हल्का हो जाए..

अगर बुखार बहुत तेज न हो तो सिर्फ नीचे लिखे हुए इलाज से ही आराम हो जाता हैं।

1- एक सफेद चादर को छाछ (तक्र) में थोड़ी देर डूबा कर फिर निकाल कर बिलकुल ठण्डा करके उसमें रोगी को लपेट दें।

2- रोगी की नाभि पर काँसी या ताँबे का गहरा कटोरा या थाली रखकर उस में ऊपर से ठण्डे पानी की धार बहुत देर तक छोड़ते रहें।

3- काँसी की थाली रोगी के शरीर पर ऊपर से नीचे तक फिरावें।

4- एक कच्चा- बड़ा सा आम लेकर भूबल (गरम राख) में दबा दें। जब वह नरम हो जाये तो छीलकर गूदा निकाल लें और उस ठण्डे पानी में मिलकर मिसरी या खाँड़ मिलाकर रोगी को पिला दें। यदि कब्ज हो तो इसमें दो तोले इमली का गूदा भी मलकर छान लेना चाहिये। या गाय के ताजे दही में ठण्डा पानी मिलाकर लहसी बना कर पिलावें।

5- बेहोशी को दूर करने के लिये कोई खुशबू सुंघाना लाभदायक है।

6- पंखे को ठण्डे पानी में भिगो कर उससे धीरे धीरे हवा करते रहें। पंखा खस-2 का हो तो बहुत अच्छा हैं।

7- गाय के ताजे और मीठे दही को पानी में मिलाकर लहसी बनावें और खाँड डाल कर पिलावें। (बरफ से ठण्डा कर लिया जाए तो और भी अच्छा हैं)।

8- शरबत फालसा-पके हुये फालसों को मलकर कपड़े में निचोड़ कर 20 तोले रस निकालें और उसमें 40 तोले खाँड़ मिलाकर पका कर शरबत बनावें। इस शरबत को पानी में मिलाकर पीने से गरमी की वमन (उल्टी) प्यास ओर दस्तों में बहुत लाभ होता हैं।

(लू लगने से होने वाले सब विकारों को दूर करता हैं)।

9- पके फालसे को निचोड़ कर निकाला हुआ रस 4 तोले, गुलाब का अर्क 4 तोले और बरफ से ठण्डा करके पिलावें। इससे भी लू के विकार नष्ट होते हैं।

10- सूखा धनिया 3 माशा और काहू के बीज 3 माशे लेकर पानी के साथ पीसकर कपड़े में छान लें और उसमें 4 तोले अर्क गुलाब तथा 2 तोले चन्दन शरबत या अनार अथवा फालसे का शरबत मिलाकर पिलावें। (शरबत न हो तो खाँड़ से मीठा करके पिलावें)।

11-गुलाब के अर्क में सफेद चन्दन घिस कर उसमें रुमाल भिगो कर रोगी के सिर पर रखें और उसे सूखने न दें। इसी पानी को पंखे पर छिड़क कर उससे हवा करें। इससे गरमी और लू की बेहोशी दूर हो जाती हैं।

12- रोगी को केले के हरे पत्तों पर सुलाना लाभदायक हैं।

13- आंवले का मुरब्बा चाँदी के वर्क में लपेट कर, या खमीरा मरबारीदा-पानी या अर्क गाजबाँ के साथ सेवन करने से लू के रोगी को लाभ होता हैं।

पथ्य-बुखार उतरने और रोगी के होश हवाश ठीक होने पर जौ का पानी पिलावें या भुने हुए जौ का सत्तू गुड़ के शरबत में घोलकर पिलावें अथवा गाय के दही की ताजी छाछ दें।

आराम होने के बाद भी लौकी, तुरई आदि ठण्डे शाक देते रहें और कुछ दिनों तक गरम चीजों से परहेज रखें

यह आयुर्वेदिक इलाज है... मेडिकल एस्ट्रोलॉजर अंजना गुप्ता 9407555063

पाकिस्तान की फितरत

(वरनजीत अरोड़ा)

पाकिस्तान में सरकार बदल गई है। जब से पाकिस्तान बना है, तब से अब तक किसी भी सरकार के सामने पांच साल का कार्यकाल पूरा करना एक बड़ी चुनौती रही। बंटवारे के बाद जहां भारत में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती गईं, अवाम की इच्छा के अनुसार हर पांच वर्ष में सरकारें बनती रहीं, कभी भी सेना का हस्तक्षेप नहीं हुआ, वहीं पाकिस्तान में सरकारें सेना के इशारे पर आती और जाती रहीं।

सेना की मर्जी के बिना कोई भी सरकार काम नहीं कर पाई। हर उस नेता को राष्ट्रीय पहचान मिली, जिसने भारत का विरोध किया। हर नेता ने सत्ता हासिल करने के लिए कश्मीर का मुद्दा उठाया, यह जानते हुए भी कि पाकिस्तान कश्मीर को भारत से अलग नहीं कर सकता ! लेकिन पाकिस्तानी नेताओं की यह सियासी मजबूरी रही कि उनको राजनीति में बने रहने के लिए हर समय कश्मीर-कश्मीर चिल्लाना पड़ा।

अब पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी कश्मीर का राग अलापना शुरू कर दिया है। जैसे कि मुल्क में और दूसरी कोई समस्या ही न हो। सवाल है कि क्या पाकिस्तान में एक भी नेता ऐसा नहीं, जो 1947, 1971 या करगिल को भूल कर एक नई शुरुआत करने की सोच और हिम्मत रखता हो क्या पाकिस्तानी अवाम को कश्मीर का नाम लेकर बार-बार बेवकूफ बनाया जा सकता है क्या आम पाकिस्तानी नहीं चाहता कि क्षेत्र में शांति हो, भाईचारा हो जितने संसाधन कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए खर्च किए जाते हैं, क्या उन संसाधनों का उपयोग वहां की सड़कों पर, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं या रोजगार बढ़ाने पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए 1947

के बंटवारे के बाद भारत ने राजनीतिक दलों के साथ-साथ यहां के नागरिकों की मदद से विश्व में एक ऊंचा स्थान हासिल किया है। भारत ने विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। पाकिस्तान की जनता को भी अपने नेताओं पर दबाव बनाना चाहिए कि पुरानी बातें भूल कर एक नई शुरुआत करें। 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को मानते हुए अपनी ऊर्जा को मुल्क की तरक्की के लिए खर्च करें।

दुनिया चुका रही है यूक्रेन युद्ध की कीमत

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। पिछले दो सालों से कोरोना महामारी से पस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाल के महीनों में सुधार के संकेत दिख रहे थे, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उसके पटरी से उतरने का खतरा बढ़ गया है। यही नहीं, चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों और उससे निपटने के लिए लगाए गए सख्त लॉकडाउन से वैश्विक सप्लाई चेन में बाधा, गैस-पेट्रोल की ऊंची कीमतों और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बेकाबू महंगाई दर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

(आनंद प्रधान)

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। पिछले दो सालों से कोरोना महामारी से पस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाल के महीनों में सुधार के संकेत दिख रहे थे, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उसके पटरी से उतरने का खतरा बढ़ गया है। यही नहीं, चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों और उससे निपटने के लिए लगाए गए सख्त लॉकडाउन से वैश्विक सप्लाई चेन में बाधा, गैस-पेट्रोल की ऊंची कीमतों और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बेकाबू महंगाई दर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

कई देश संकट में

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में इस साल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 4.7 फीसदी की वृद्धि के अपने पिछले पूर्वानुमान को डेढ़ फीसदी से ज्यादा घटाकर सिर्फ तीन फीसदी कर दिया है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास संगठन (अंकटाड) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर सिर्फ 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो उसके पिछले पूर्वानुमान 3.6 फीसदी से एक फीसदी कम है।

उधर, विश्व बैंक और आईएमएफ ने भी रूस-यूक्रेन युद्ध को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महामारी के बाद दूसरा बड़ा झटका बताते हुए उसकी रफ्तार धीमी पड़ने और रूस और यूक्रेन सहित मध्य यूरोप और मध्य, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं के मंदी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। यही नहीं, युद्ध के कारण खाद्यान्नों खासकर गेहूं और वनस्पति तेलों की कीमतों में तेज उछाल से कई विकासशील और गरीब देशों में श्रीलंका की तरह के हालात पैदा होने की आशंका भी जाहिर की जा रही है।

रूस और यूक्रेन गेहूं, मक्के और खाद्य तेलों के दुनिया के तीन बड़े निर्यातकों में से हैं। रूस और यूक्रेन अकेले दुनिया का लगभग तीस फीसदी गेहूं निर्यात करते हैं। मध्य पूर्व और उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका के कई देश रूस और यूक्रेन के गेहूं पर निर्भर हैं। इसी तरह रूस उर्वरकों में नाइट्रोजन का दुनिया का सबसे बड़ा, पोटैशियम का दूसरा सबसे बड़ा और फॉस्फोरस का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

लेकिन युद्ध के कारण एक तो काला सागर से व्यापार ठप है। दूसरे, पश्चिमी देशों ने रूस पर वित्तीय और व्यापार संबंधी पाबंदियां लगा रखी हैं। इससे गेहूं, खाद्य तेलों और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। नतीजा यह कि युद्ध शुरू होने के बाद सिर्फ एक महीने में वैश्विक बाज़ार में गेहूं की कीमतों में लगभग 20 फीसदी और मक्के की कीमतों में 19 फीसदी की रेकॉर्डतोड़ उछाल दर्ज की गई है। विश्व खाद्य संगठन (एफएओ) के मुताबिक, मार्च में अनाजों की कीमतों में लगभग 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह फरवरी के बाद से खाद्य तेलों में भी 25 फीसदी तक की उछाल आई है।

जैसे इतना ही काफी न हो, वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार के बीच बढ़ती मांग की वजह से पेट्रोलियम और गैस की कीमतों में पहले से ही तेजी आनी शुरू हो गई थी। लेकिन युद्ध ने उसमें आग लगा दी। यूं तो कच्चे तेल की कीमतें फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर दिख रही हैं, लेकिन यह भी बहुत ज्यादा है। कच्चे तेल और साथ में, अनाजों, खाद्य तेलों की कीमतों में इस तेजी का सीधा असर दुनिया के अधिकांश देशों में बेकाबू हो रही महंगाई दर के रूप में दिख रहा है, जिससे अब लगभग सभी उत्पादों और सेवाओं की कीमतें प्रभावित हो रही हैं।

इस महंगाई के कारण लोग उपभोग में कटौती करने को मजबूर हो रहे हैं, जिसका असर निवेश पर पड़ता है। इस तरह उपभोग-मांग-निवेश पर निर्भर आर्थिक वृद्धि की रफ्तार सुस्त पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जाहिर है कि महामारी की मार से मंदी की चपेट में आई उस वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए ऊंची मुद्रास्फीति दर कतई अच्छी खबर नहीं है, जो कुछ महीनों से पटरी पर लौटती हुई दिख रही थी।

यही नहीं, आसमान छूती महंगाई खासकर अनाजों, खाद्य तेलों और पेट्रोल-गैस की कीमतें राजनीतिक रूप से भी अत्यधिक ज्वलनशील मुद्दा हैं। अगर रूस-यूक्रेन युद्ध जल्दी नहीं रुका और महंगाई ऐसे ही बढ़ती रही तो श्रीलंका और कजाखिस्तान जैसे हालात मध्य-पूर्व, उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका के कई देशों में दिख सकते हैं। याद रहे कि 2011 की 'अरब क्रांति' के पीछे एक बड़ा कारण महंगाई खासकर अनाजों की कीमतों में वृद्धि भी थी।

ऐसे में, महंगाई को काबू में करने का दुनिया के अधिकांश देशों पर दबाव है। महामारी के दौरान डूबती अर्थव्यवस्था को सहारा और मांग-निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन देशों ने राजकोषीय सहायता में वृद्धि की थी। इसके साथ उदार मौद्रिक नीति अपनाई थी। अब उन्हें यह नीति वापस लेनी होगी। कर्ज की दरें भी बढ़ानी होंगी। लेकिन मौजूदा स्थिति में ऐसा करने से अर्थव्यवस्थाएं बेपटरी हो सकती हैं और यहां तक कि मंदी में भी फंस सकती हैं।

दुनिया के अधिकांश विकसित और विकासशील देशों या उभरती हुई अर्थव्यवस्था के मैनेजरों के लिए यह गंभीर दुविधा की स्थिति है। वे तय नहीं कर पा रहे कि महंगाई से निपटें या अर्थव्यवस्था को संभालें यह भी सच है कि यूक्रेन युद्ध रुके बिना उनका कोई भी फैसला बहुत प्रभावी नहीं होगा। दरअसल, युद्ध रोकने के लिए राजनय और कूटनीति को आगे करना होगा, जिसकी गंभीर पहल कहीं नहीं दिख रही। यह वैश्विक नेतृत्व खासकर बड़े और ताकतवर पश्चिमी देशों के नेतृत्व की नाकामी है।

आम लोगों पर मार

इसकी कीमत आम लोग चुका रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है, जहां महंगाई रिजर्व बैंक के ऊपरी दायरे से भी आगे निकल चुकी है। इस बीच, भारत में औद्योगिक उत्पादों की मांग, उत्पादन और निवेश में सुस्ती बनी हुई है। कई वैश्विक और घरेलू संस्थाएं चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी दर के अनुमानों में डेढ़ से दो फीसदी की कटौती कर चुकी हैं। लेकिन इकॉनमी के मैनेजर ऊंट की तरह रेत में सिर छुपाए तूफान के गुजरने का इंतजार कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या इससे तूफान शांति से गुजर जाएगा ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

बोर्ड की परीक्षा के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ये टिप्स

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं परीक्षा 2022 का शेड्यूल जारी हो गया है और 26 अप्रैल से परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा के लिए छात्रों के पास एक महीने से भी कम का समय बचा है और छात्रों ने तैयारी को सम-अप कर लिया है। चाहे कितनी भी तैयारी हो छात्र अक्सर टेंशन में आ जाते हैं और उनकी तैयारी में गड़बड़ हो ही जाती है। इसके लिए आवश्यक है बेहतर रिवीजन टिप्स और स्ट्रेटेजी की। आइए जानते हैं कि छात्र किन टिप्स की मदद से आखिरी समय में छात्र रिवीजन कर सकते हैं जिससे उन्हें बेहतर अंक प्राप्त होंगे।

सभी विषयों को समय दें

रिवीजन करते समय प्रत्येक विषय के लिए समय निकालने का अर्थ है कि आप सभी विषयों पर ध्यान दे रहे हैं। छात्र हर दिन हर विषय के लिए एक चैप्टर या एक दिन में एक विषय के सभी चैप्टर को रिवाइज करके समय को विभाजित कर सकते हैं। हर विषय का एक चैप्टर रोज रिवाइज करना बेहतर हो सकता है क्योंकि यह आपको बोर नहीं होने देगा। आप उन विषयों के साथ भी रिवीजन शुरू कर सकते हैं जिनमें आप पहले से ही अच्छे हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा और आपको अन्य विषयों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।

महत्वपूर्ण विषयों को अच्छी तरह से रिवाइज करें

हालांकि आपको पूरे सिलेबस को रिवाइज करना होगा लेकिन महत्वपूर्ण विषयों को बार-बार रिवाइज करना बेहद जरूरी है। महत्वपूर्ण विषयों में वे भाग शामिल हैं जिनमें अंकों का वेटेज ज्यादा है।

पुराने पेपर और सैंपल पेपर की प्रैक्टिस करें

सब कुछ जानना और परीक्षा में न लिख पाना एक आम समस्या है जिसका सामना कई छात्रों को करना पड़ता है। लेकिन इस समस्या से लड़ने के लिए छात्र हर हफ्ते कुछ पुराने प्रश्न पत्र या सैंपल पेपर को हल करना शुरू कर सकते हैं। जब आप परीक्षा के दिन उपस्थित होते हैं तो यह आपको टाइम मैनेजमेंट करने में भी मदद करता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें

जब परीक्षा नजदीक हो तो छात्र घंटों पढ़ाई करते हैं और ब्रेक लेना भूल जाते हैं। जिसके कारण छात्रों के बीच टेंशन और चिड़चिड़ापन जन्म ले लेता है। पढ़ाई जरूरी है लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेना भी उतना ही जरूरी है। लंच या डिनर करते समय आप कुछ सिटकॉम का एक छोटा एपिसोड देख सकते हैं। कभी-कभी बीच में झपकी लेने से भी आप ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और अपने दिमाग को तरोताजा कर सकते हैं।

इन टिप्स की मदद से क्लीयर कर पाएंगे एनडीए एग्जाम

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए यूपीएससी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा आयोजित करने वाली है। परीक्षा में दो सेक्शन यानी मैथ्स और जनरल एबिलिटी टेस्ट से प्रश्न पूछे जाएंगे। जीएटी में 150 प्रश्न हैं, जिसमें अंग्रेजी के लिए 50 प्रश्न और सामान्य विज्ञान, भूगोल, इतिहास और राजनीति से संबंधित सामान्य ज्ञान के लिए 100 प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया गया है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में उपस्थित होते हैं लेकिन चांस उनको मिलता है जिनकी तैयारी बेहतर होती है। आइए इस लेख के माध्यम से जानत हैं कि किन टिप्स की मदद से छात्र इस परीक्षा को क्लियर कर सकते हैं।

11वीं और 12वीं की मैथ्स की बेहतर प्रैक्टिस

एनडीए में हर साल 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न एनसीईआरटी सिलेबस पर आधारित होते हैं इसलिए, इसकी बेहतर तैयारी से परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। 11वीं और 12वीं की मैथ्स को अच्छे से पढ़िए और पढ़ने उसके बाद उसका रिवीजन भी करिए। ऐसा करने से आप अपनी कमजोरियों पर काम भी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से तैयारी करने पर परीक्षार्थियों को अच्छे अंक मिल सकते हैं। पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों की मदद से ना सिर्फ तैयारी अच्छी होती है बल्कि परीक्षार्थी को परीक्षाके बारे में जानकेरी भी प्राप्तहोती है। इसके साथ ही मॉक टेस्ट देने से आप परीक्षा हॉल के अनुरूप तैयारी कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र आपको आपकी कमजोरियां आंकने में भी मदद करता है।

मैथ्स और जीएटी के लिए रेफरेंस किताबों का इस्तेमाल करें

जब गएक्टट्ट से तैयारी हो जाए गए तो रिवीजन के लिए संदर्भ यानी रेफरेंस पुस्तकों का इस्तेमाल करें। इन किताबों की मदद से आप कम समय में बेहतर रिवीजन कर पाएंगे। मैथ्स के शॉर्ट ट्रिक्स में दक्षता हासिल करने के लिएहर दिन कुछ नया पढ़ें।

हाइड्रेटेड रहें

परीक्षा की तैयारी करते समय स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। टेंशन छोड़ दें और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। ठीक प्रकार से भोजन करें और खुद को हाइड्रेटेड रखें और तैयारी में ध्यान लगाएं।

टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखें

परीक्षा की तैयारी करना अलग बात है और परीक्षा में सारे प्रश्न अटेम्प्ट करना अलग। कितनी भी तैयारी क्यों ना हो अगर सारे प्रश्न का उत्तर नहीं लिख पाते तो सारी मेहनत बेकार है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम मैनेजमेंट का भरपूर ध्यान रखा जाए और टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए।

प्रोफेशन के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं मार्केट रिसर्च

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- रचनात्मकता
- सेल्समेनशिप
- डाटा एकत्रित करना
- टीमवर्क
- विश्लेषण क्षमता
- लगन

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है वीडियो एडिटिंग करियर

आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मनोरंजन जगत का विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में वीडियो एडिटिंग करियर के एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

जॉब प्रोफाइल

अलग-अलग कई वीडियो को एक वीडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक वीडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और वीडियो का संपादन करना होता है। वीडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल वीडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।

क्या करता है वीडियो एडिटर

किसी भी फिल्म के निर्माण के दौरान रॉ फुटेज शूट के संपादन का काम एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होता है। आधुनिक वीडियो डिजिटल कैमरे के बढ़ते इस्तेमाल से पहले फिल्म फुटेज को असली स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर शूट किया जाता था। उस वक्त वीडियो एडिटर्स को हाथ से उन्हें काटना पड़ता था और कई दृश्यों को एक साथ जोड़ना पड़ता था। एक वीडियो एडिटर को आमतौर पर निर्देशक या निर्माता के साथ बैठकर घंटों तक शूट किए गए रॉ फुटेज को देखना होता है। फिर उनके साथ मिलकर यह निर्धारित करना होता है कि कौन-सा दृश्य रखना है और कौन सा हटाना है।

कोर्स का विवरण

वर्तमान में वीडियो या फिल्म एडिटिंग का कोर्स भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों में उपलब्ध है। ये कोर्सेज सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर कराए जाते हैं। इन कोर्सेज का लक्ष्य फिल्म एडिटिंग के सभी पहलुओं जैसे नॉन-लीनियर एडिटिंग, प्रोफेशनल एडिटिंग, कैमरा बेसिक्स, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट टेक्नीक्स इत्यादि की शिक्षा छात्रों को मुहैया कराना है।

फिल्म या वीडियो एडिटिंग के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं पास होना जरूरी है और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना अनिवार्य शर्त है। वीडियो एडिटर के असिस्टेंट के तौर पर काम शुरू करने के लिए बैचलर डिग्री काफी है।

वेतन

शुरुआती तौर पर अभ्यर्थी 7,000 से 10,000 रुपये तक कमा सकते हैं। दो से तीन साल का अनुभव प्राप्त करने के बाद वेतन 15,000 से 25,000 रुपये तक बढ़ सकता है। बेहद अनुभवी वीडियो एडिटर छह अंकों वाली उम्दा सैलरी की भी उम्मीद कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर

- फिल्म, टीवी और म्यूजिक प्रोडक्शन
- फिल्म और टीवी की मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन
- फिल्म प्रोडक्शन, डिस्ट्रिब्यूशन या थियेटर संबंधी पर्सनल या फैमिली बिजनेस।
- पोस्ट प्रोडक्शन स्टूडियो
- कॉर्पोरेट एप्लायर (कॉर्पोरेट ट्रेनिंग वीडियो)
- विज्ञापन

रोजगार की संभावनाएं

भारत में हर साल 1000 से ज्यादा फिल्में बनाई जाती हैं, जो भारत को सबसे ज्यादा फिल्म बनाने वाले देशों में से एक बनाती हैं। फिल्म निर्माण के लिए एडिटिंग मौलिक जरूरत है, इसलिए कुशल वीडियो संपादकों की मांग आने वाले दशकों में घटने वाली नहीं है। वीडियो एडिटर के तौर पर एक व्यक्ति फीचर या नॉन फीचर फिल्मों, डॉक्युमेंट्री, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों में रोजगार तलाश कर सकता है। मोशन पिक्चर इंडस्ट्री में असिस्टेंट एडिटर से एडिटर के पद तक प्रमोशन पा सकते हैं। इसके अलावा किसी फिल्म स्कूल, टेक्निकल स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का काम भी कर सकते हैं।

दिल्ली हिंसा : फायरिंग करने वाले अंसार को पुलिस ने पकड़ा

आरएएफ तैनात; अब तक 14 अरेस्ट

नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी में शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा पर पथराव के साथ फायरिंग भी हुई थी। फायरिंग करने वाले आरोपी अंसार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं पूरे इलाके में आरएएफ की तैनाती की गई है। डीसीपी नॉर्थ वेस्ट ऊषा रंगनानी ने बताया कि हिंसा में आठ पुलिस कर्मी और एक नागरिक घायल हुए हैं। एक सब इंस्पेक्टर को उपद्रवियों की गोली लगी है। वे अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत में सुधार है। उन्होंने आगे बताया कि हिंसा के बाद अमन कमेटी की बैठक हुई, जिसमें लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। उन्होंने कहा- उपद्रवियों ने यहां आगजनी भी की। तलवार और गोलियां भी चलीं। इस मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पहले 9 लोग पकड़े गए, फिर 5 लोगों को अरेस्ट किया गया। पुलिस के मुताबिक, इलाके में तनाव है, लेकिन हालात पर काबू पा लिया गया है। वहां आरएएफ की दो

कंपनियां तैनात की गई हैं। दिल्ली के तमाम संवेदनशील इलाकों में पुलिस तैनात है और यहां हाई अलर्ट है।

तनाव के बीच हालात काबू में

इलाके में नाइट विजन ड्रोन से निगरानी की गई। स्पेशल पुलिस कमिश्नर दीपेंद्र पाठक ने शनिवार देर रात बताया कि स्वङ्कक्र दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पाठक ने कहा कि स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है। माहौल अब शांतिपूर्ण है। हम लोगों के साथ लगातार संपर्क में हैं और शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहे हैं। सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारी यहां मौजूद हैं। पुलिस की टीम ने इलाके के कई वीडियो फुटेज हासिल कर लिए हैं। इनमें कुछ लोगों की पहचान भी हो चुकी है। अफसरों का कहना है कि दोषियों से सख्ती से निपटा जाएगा। दिल्ली पुलिस ने उपद्रव की जांच के लिए 10 टीमें गठित की है। मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है।

गृह मंत्री अमित शाह ने ली जानकारी:- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना से स्थिति की जानकारी ली। उन्हें लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। घटना के बाद जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यहां रामनवमी के दिन पूजा को लेकर छात्रों के दो गुटों में मारपीट हुई थी।

कैसे हुई घटना

जहांगीरपुरी के कुशल सिनेमा के पास शाम करीब 5:30 बजे शोभायात्रा पर अचानक पथराव हुआ। इसके बाद दो गुटों में झड़प हो गई। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। कुछ वाहनों में आग भी लगा दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम भी इसकी चपेट में आ गई। दिल्ली पुलिस के PRO अन्येश राय ने कहा- यह एक पारंपरिक शोभायात्रा थी जो हर साल निकलती है। यात्रा के साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने स्थिति संभाली। घटना के बाद कई थानों से एडिशनल पुलिस फोर्स बुलाई गई है। रैपिड एक्शन फोर्स ने इलाके में मार्च किया है। CAA और NRC को लेकर आंदोलन के दौरान 23 फरवरी 2020 की रात को दिल्ली में दंगे भड़क गए थे। 23 से 26 को हुए दंगे में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में जो तांडव हुआ, उसके निशान अब तक मौजूद हैं।

फ्री बिजली की 'शर्त' पर घिरी आप सरकार

पंजाब में जनरल कैटेगरी को 1 यूनिट भी ज्यादा होने पर लाभ नहीं; भाजपा बोली- सामान्य वर्ग से धोखा

पंजाब

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार फ्री बिजली की शर्त पर घिर गई है। सरकार ने स्पष्ट किया कि जनरल कैटेगरी को फ्री से एक यूनिट ज्यादा खर्च होने पर पूरा बिल चुकाना होगा। जिसके बाद विरोधी हमलावर हो गए हैं। भाजपा के प्रदेश महासचिव सुभाष शर्मा ने सीएम भगवंत मान से सवाल पूछा कि जब यह गारंटी दी थी तो क्या बताया था कि जाति के आधार पर इस योजना का लाभ देंगे। शर्मा ने पूछा कि क्या सामान्य वर्ग में गरीब परिवार नहीं हैं। उन्होंने इसे सामान्य वर्ग के लोगों के साथ अन्याय और धोखा करार दिया। सीएम भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार सभी घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली देगी। पंजाब में बिल 2 महीने बाद आता है यानी एक बिलिंग साइकल पर 600 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। इसी में पेंच है कि अगर SC, BC, फ्रीडम फाइटर और BPL फैमिली ने 2 महीने में 600 यूनिट से ज्यादा बिजली खर्च की तो उन्हें सिर्फ

उन्हीं अतिरिक्त बिजली का बिल देना होगा। जनरल कैटेगिरी को लेकर विपक्षियों का आरोप है कि अगर 600 यूनिट से ज्यादा यानी अगर 1 यूनिट अतिरिक्त बिजली खर्च हुई तो पूरी 601 यूनिट का ही बिल देना होगा।

सोशल मीडिया भी दोफाड़

आप सरकार की फ्री बिजली पर सोशल मीडिया में भी खूब बहस हो रही है। कुछ लोग इसे जनरल कैटेगिरी के साथ अन्याय बता रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि पहली बार जनरल कैटेगिरी को 600 यूनिट मुफ्त बिजली मिल रही है। ऐसे में इसका विरोध करने की जगह बिजली बचत करनी चाहिए।

फ्री बिजली पर अभी यह भी पेंच

सरकार ने यह तो कह दिया कि हर घर को 600 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। हालांकि पंजाब में कई घर ऐसे हैं, जहां अलग-अलग नाम से कनेक्शन लगे हुए हैं। इसको लेकर सवाल है कि क्या एक घर के सभी कनेक्शन पर 600 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी। इसको लेकर अभी मान सरकार ने कुछ स्पष्ट नहीं किया है।

जहांगीरपुरी का उपद्रव : दिल्ली पुलिस का दावा-

उपद्रवियों ने राशन का ट्रक लूटा; मस्जिद की छत से पत्थर फेंकने की शुरुआत हुई

नई दिल्ली

दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली जा रही शोभायात्रा पर पथराव हुआ था। शनिवार शाम 6 बजे हुई हिंसा के बाद पुलिस ने देर रात एक्शन शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस पथराव के वीडियो फुटेज के आधार पर घटना के जिम्मेदार आरोपियों को चिह्नित कर रही है। उपद्रवियों ने न केवल पत्थरबाजी की बल्कि गाड़ियों में आगजनी करते हुए सरकारी राशन की गाड़ी को भी लूटा। पुलिस का दावा है कि शुरुआती जांच के मुताबिक पत्थरबाजी की शुरुआत मस्जिद की छत

से हुई थी। पथराव और फायरिंग से हिंसा भड़काने की कोशिश की गई। पुलिस के मुताबिक 14 गिरफ्तार आरोपियों के अलावा लगभग 30 लोगों को शक के आधार पर हिरासत में लिया गया है। घटनाक्रम के मुताबिक जहांगीरपुरी में डी ब्लॉक के लोगों ने ये शोभायात्रा जहांगीरपुरी पुलिस स्टेशन के पास से शुरू की थी और सी ब्लॉक होते हुए कुशक सिनेमा के पास पहुंचे। पुलिस के मुताबिक उसी दौरान उन पर अचानक से बड़ी संख्या में पत्थर बरसने शुरू हो गए। दावा है कि स्थानीय लोगों से मिले वीडियो में यह साफ दिख रहा है कि मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी छतों से पत्थर फेंक रहे हैं। इसके बाद हिंसा ने विकराल रूप ले लिया। पुलिस ने अब तक सैकड़ों वीडियो फुटेज खंगाल डाले हैं और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को चिह्नित किया जा रहा है।

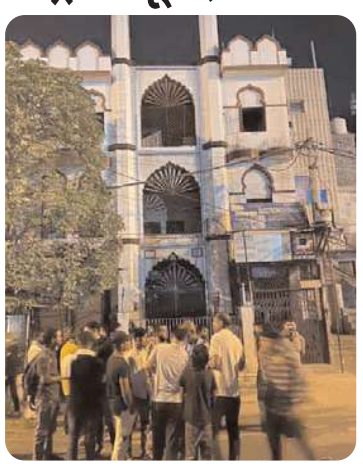

शोभा यात्रा के समय मौजूद थी पुलिस

पुलिस का कहना है कि वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि जब शोभायात्रा मस्जिद के सामने से निकल जाती है तब पीछे से कुछ युवा उस पर पत्थरबाजी शुरू करते हैं और फिर छतों से देखते ही देखते पत्थरों की बरसात हो जाती है।

पंजाब कांग्रेस में वर्चस्व की जंग

चन्नी के बाद वड़िंग के लिए चुनौती बने सिद्धू; प्रधानगी से हटाने के बाद भी दिखा रहे ताकत

पंजाब

चुनावी हार के बावजूद पंजाब कांग्रेस में वर्चस्व की जंग नहीं थम रही। इसकी बड़ी वजह नवजोत सिद्धू हैं। वह पंजाब कांग्रेस प्रधान रहते अपनी ही पार्टी के सीएम चरणजीत चन्नी के लिए मुश्किल बने रहे। चुनाव के बाद सिद्धू न विधायक बन सके और न ही प्रधानगी बचा पाए। अब वह नए प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के लिए चुनौती बन रहे हैं। प्रधानगी से हटाए जाने के बाद भी सिद्धू ताकत दिखाने से पीछे नहीं हट रहे। जिसकी वजह से कांग्रेस चुनाव से पहले वाली कलह की स्थिति में आ गई है। सीएम चेहरा न बने तो सिद्धू

विधायकी और प्रधानगी नहीं बचा सके सिद्धू | वड़िंग का फोन नहीं उठाया, मुलाकात भी नहीं की

नाराज होकर घर बैठ गए। हालांकि कांग्रेस चुनाव हार गई तो सोनिया गांधी ने उनका इस्तीफा ले लिया। इसके बावजूद वह प्रधानगी बचाने के लिए सक्रिय हो गए। राज्य में दौरा कर कांग्रेसियों से मिलने लगे।

न्यूज ब्रीफ

रूस का भारत से वादा:तय समय पर देगा इंडियन नेवी को दो स्टील्थ फ्रिगेट, यूक्रेन के साथ जंग का नहीं होगा असर

कीव। यूक्रेन के साथ 50 दिन से भी ज्यादा लंबे समय से जंग में उलझे रूस ने भारत की हथियार सप्लाई प्रभावित नहीं होने देने का वादा किया है। हालांकि, मिसाइल डिफेंस सिस्टम स-400 की सेकेंड रेजीमेंट की डिलीवरी कुछ महीने के लिए टलने के आसार हैं, लेकिन इस बीच रूस ने इंडियन नेवी को दो तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट की सप्लाई तय शेड्यूल के हिसाब से करने का वादा किया है।

चार फ्रिगेट का कांट्रेक्ट हुआ था रूस के साथ:- भारत और रूस के बीच 2016 में चार स्टील्थ फ्रिगेट की खरीद का इंटर-गवर्नमेंटल एग्रीमेंट हुआ था। एक अरब डॉलर के इस एग्रीमेंट के हिसाब से दो स्टील्थ फ्रिगेट रूस में बनाए जाने थे, जबकि बाकी दो का कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के तहत गोवा शिपयार्ड लिमिटेड किया जाना है। द हिंदू ने अपनी रिपोर्ट में एक भारतीय रक्षा अधिकारी के हवाले से बताया है कि चारों फ्रिगेट का कंस्ट्रक्शन चालू हो चुका है।

पहले कोरोना के कारण देरी, अब यूक्रेन से जंग अटक रहे:- दरअसल रूस में बनने वाले दोनों फ्रिगेट पहले 2022 के अंत तक भारत को मिल जाने थे, लेकिन पिछले साल कोरोना के कहर के कारण इनके कंस्ट्रक्शन में देरी हुई। इसके चलते पहला फ्रिगेट करीब 8 महीने की देरी के साथ 2023 के मध्य में इंडियन नेवी को सौंपा जाना तय हुआ था। गोवा में बनने वाले दोनों वॉरशिप्स में से पहले की डिलीवरी 2026 में और दूसरे की डिलीवरी उसके 6 महीने बाद देना तय है। हालांकि, अब रूस की यूक्रेन के साथ जंग शुरू हो जाने से यह टाइमलाइन खतरे में मानी जा रही है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर की एयरस्ट्राइक

हमले में 40 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा, तालिबान सरकार ने कहा- सब्र का इम्तेहान न लें

इस्लामाबाद

शनिवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खोस्त और कुनार प्रांतों में एयरस्ट्राइक कर दी। लोकल पुलिस के मुताबिक, पेसा मिला और मीर सफर में हुई बमबारी में 5 बच्चों और 1 महिला की मौत हुई। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि हमला खोस्त के स्पेरा जिले में हुआ था, जिसमें 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। एयरस्ट्राइक के बाद अफगानिस्तान के लोगों ने सड़क पर उतरकर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। हमले को लेकर पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। हालांकि, वहां के मीडिया का कहना है कि एयरस्ट्राइक के जरिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर हमला किया गया था।

एयरस्ट्राइक के बाद पाक राजदूत तलब:- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा की है। एयरस्ट्राइक के बाद तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के राजदूत मनसूर अहमद खान को तलब किया। इस दौरान अफगानिस्तान के फॉरेन मिनिस्टर आमिर खान मुत्ताकी और डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर अल्हाज मुल्ला शिरीन अखुंड मौजूद रहे।

अफगानिस्तान के सब्र का न लें इम्तेहान

वहीं तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट कर पाक सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा- अफगानिस्तान की हुकूमत पाकिस्तान से मांग करती है कि वो ऐसे मामलों में अफगानिस्तान के सब्र का इम्तेहान न ले। ऐसी गलती दोबारा हुई तो इसके बुरे परिणाम होंगे। दोनों देशों के बीच समस्याओं को राजनीतिक तरीकों से हल किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, एयरस्ट्राइक के जरिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और पश्तून इस्लामिक ग्रुप को निशाना बनाया गया था। इससे पहले शुक्रवार को भी अफगानिस्तान के गोर्बज जिले में पाकिस्तानी और अफगानिस्तानी सैनिकों में झड़प हुई थी।

दिल्ली में बढ़ रहा कोरोना

पिछले 24 घंटों में 461 नए मामले, दो मरीजों की मौत; पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 5.33 फीसदी पहुंचा

नई दिल्ली

दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। शनिवार को 461 नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 48 दिनों में ये सबसे ज्यादा मामले हैं। इससे पहले 27 फरवरी को 484 मामले दर्ज किए गए थे। राजधानी में पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 5.33 फीसदी पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में कोरोना से दो मरीजों की मौत हो गई। 15 मार्च के बाद यह पहली बार है जब दिल्ली में एक से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली सरकार लगा सकती है पाबंदियां:- सूत्रों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से अधिक रहता है, तो सरकार पाबंदियां लगा सकती है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शहर में कोविड -19 स्थिति की समीक्षा करने के लिए

बुधवार को बैठक करने वाला है। इसमें कोरोना की रोकथाम को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया जा सकता है।

कोरोना की नई लहर के संकेत:- दिल्लीवासियों का कहना है कि बढ़ते मामले कोरोना की नई लहर के आने का संकेत हो सकता है। उधर, डॉक्टरों का कहना है कि भले ही संक्रमण बढ़ रहा है, लेकिन यह पिछली लहरों के मुकाबले गंभीर नहीं होगा। एम्स के पूर्व डीन डॉ एन के मेहरा ने कहा कि लोगों को कोरोना से बचाव के लिए खुद ही उपाय करने चाहिए जैसे सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना, हाथ धोते रहना, सफाई का ध्यान रखना आदि।

दिल्ली में अप्रैल की शुरुआत से बढ़ रहे मामले

दिल्ली में अप्रैल की शुरुआत से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन कम लोगों को ही अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ी है। सरकारी डेटा के अनुसार, दिल्ली में कोविड-19 के लिए कुल 9,735 बेड हैं। उनमें से, वर्तमान में केवल 59 (0.61 फीसदी) पर मरीज भर्ती हैं। इसमें 29 पॉजिटिव मामले और 30 संदिग्ध मामले शामिल हैं।

करोड़ों के वेतन के खिलाफ फ्रांसीसी प्रेसिडेंट

कंपनी अधिकारियों के मोटे वेतन पर लगाम कसना चाहते हैं मैक्रों, बोले- सीमाएं तय करने की जरूरत

नई दिल्ली

फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग 24 अप्रैल को होगी। इस दौरान प्रचार के लिए मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक नए मुद्दे को हवा दे दी है। उन्होंने एक बहस के दौरान कंपनियों के बड़े अधिकारियों के वेतन पर सवाल उठाते हुए उसे बहुत ज्यादा बताया है। उन्होंने यूरोपीय संघ में टॉप लेवल ऑफिसर्स के वेतन की सीमा तय करने की बात कही है। मैक्रों ने कहा- कार मेकर कंपनी स्टेलान्टिस के ष्टश्वह्र को 2.1 करोड़ डॉलर(करीब 160 करोड़ रुपए) का वेतन मिलता है। यह न केवल बहुत ज्यादा है, बल्कि आश्चर्यजनक है। उन्होंने कहा कि वो पूरे यूरोपीय संघ में शीर्ष अधिकारियों के वेतन सीमा लागू करने के समर्थन में हैं।

सीमाएं तय करने की जरूरत

उन्होंने कहा- हमें यूरोपीय स्तर पर लड़ने की जरूरत है, ताकि वेतन ज्यादा न हो सके। हमें सीमाएं तय करने की जरूरत है और यूरोप में ऐसी व्यवस्था की

जरूरत है जिसमें यह सब स्वीकार्य हो सके। अगर ऐसा नहीं हुआ तो समाज किसी भी पल फट पड़ेगा। इससे समाज में अस्थिरता आएगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक तरफ लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं और दूसरी तरफ इस तरह के वेतन दिए जा रहे हैं। मैक्रों ने कहा कि हमें वही करने की जरूरत है जो हमने न्यूनतम टैक्स दरों और टैक्स चोरी के खिलाफ लड़ाई में किया है।

मैक्रों सरकार वेतन को बता चुकी असामान्य:- राष्ट्रपति मैक्रों से पहले उन्हीं की सरकार के प्रवक्ता गेब्रियल अत्तल ने स्टेलान्टिस के मुख्य कार्यकारी कार्लोस तवारेस के वेतन को असामान्य बताया था। मैक्रों के साथ बहस में शामिल प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार मरीन ली पेन ने भी भारी भरकम वेतन को झटका देने वाला माना।

राष्ट्रपति चुनाव में उछला था हिजाब मसला

इसके पहले फ्रांस में हिजाब मामला उछाला गया था। दक्षिणपंथी उम्मीदवार मरीन ली पेन ने वादा किया है कि अगर वह सरकार में आईं, तो हिजाब पहनने वाले मुस्लिमों पर जुर्माना लगाएंगी। भारत समर्थक ली पेन ने कहा कि जिस तरह गाड़ियों में सीटबेल्ट पहनने को अनिवार्य बनाया गया है, उसी तरह ये फैसला भी लागू किया जाएगा कि मुसलमान सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब न पहनें। मरीन ली %इस्लामिक कट्टरता% पर नरम रुख के लिए मैक्रों की आलोचना करती रही हैं। अगर वह जीतीं तो देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनेंगी।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

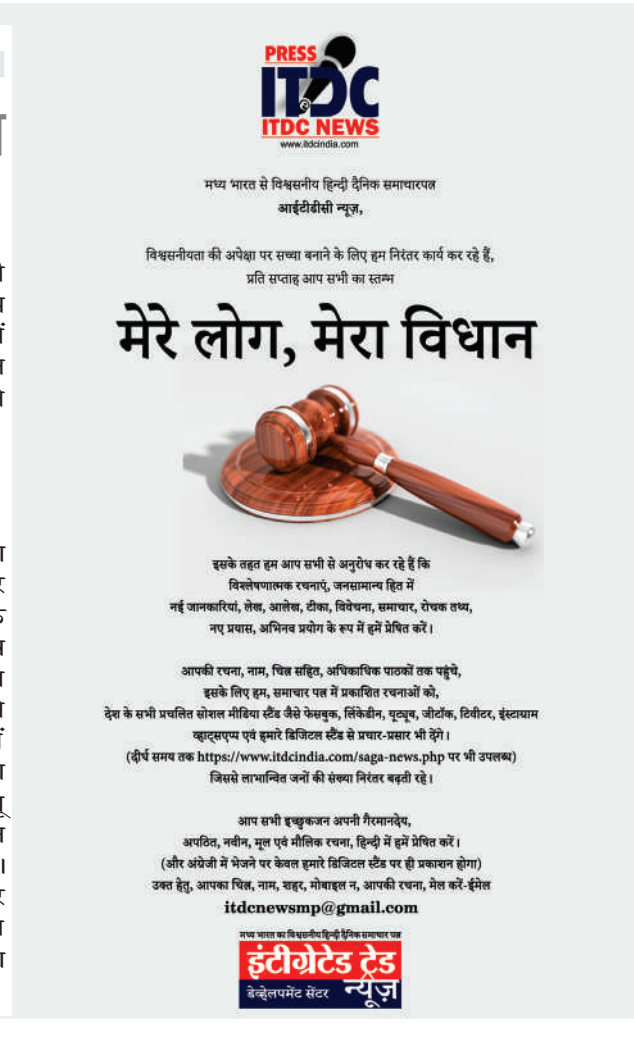

न्यूज ब्रीफ

ऐश बार्टी की रिटायरमैंट से ऑस्ट्रेलियाई टेनिस को लाखों डॉलर का घाटा

सिडनी। ऐश बार्टी की अचानक रिटायरमैंट टेनिस ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ रही है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने चैनल 9 के साथ पांच सालों में 60 मिलियन का करार किया था जिसके अभी काफी समय बाकी है। बार्टी के दौरान 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन की रेटिंग अच्छी गई थी। लेकिन अब बार्टी के संन्यास के बाद टेनिस प्रबंधन नए प्रसारण सौदे पर बातचीत कर रहा है। आंकलन है कि प्रबंधन को इस कारण 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर गंवाने पड़े हैं। ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन इस साल टेनिस ऑस्ट्रेलिया के लिए बंपर सफलता लेकर आया था। इसमें तत्कालीन विश्व नंबर 1 बार्टी जीती थी जोकि 1978 के बाद पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला थीं। डेनियल कॉलिन्स के खिलाफ बार्टी की अंतिम जीत ने चैनल 9 के लिए शानदार रेटिंग हासिल की थी। यह मैच 1999 के बाद से सबसे अधिक देखा जाने वाला महिला फाइनल रहा। टूर्नामेंट के समापन के तुरंत बाद समाचार पत्र 'द ऑस्ट्रेलियन' ने बताया कि टीए उम्मीद कर रहा था कि उनका अगला सौदा पांच वर्षों में प्रति वर्ष 100 मिलियन डॉलर तक कमा सकता है। अब बार्टी की सेवानिवृत्ति ने टीए की सौदेबाजी की स्थिति को काफी कमजोर कर दिया है।

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में 50वीं हैट्रिक, युवराज ने की तारीफ

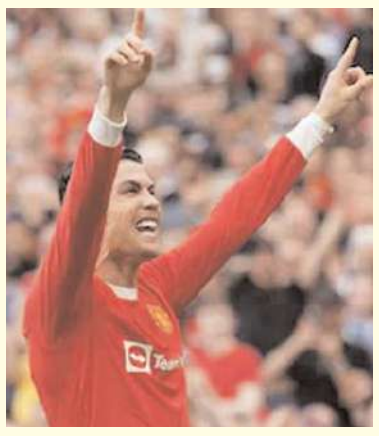

नई दिल्ली। चैम्पियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ में आर्सेनल और टोटेनहम के लिए हार का फायदा उठाने के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो काम आए हैं। उनकी हैट्रिक की बदौलत टीम ने नॉर्विच पर 3-2 से जीत दर्ज की है। रोनाल्डो के यह क्लब करियर की 50वीं हैट्रिक है। खेल शुरू होने से पहले ही प्रशंसकों के बीच अशांति थी क्योंकि क्लब के 17 साल के ग्लेजर परिवार के स्वामित्व के विरोध में 17वें मिनट तक स्टेडियम में ज्यादातर लोग नहीं आए थे। रोनाल्डो के हैट्रिक बनाने के बाद भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी उनकी तारीफ में एक ट्विट किया।

कार्तिक की धमाकेदार बल्लेबाजी : 4-4-4-6-6-4, मुस्तफिजुर रहमान के एक ओवर में जड़ दिए 28 रन, यहीं से मैच पलट गया

नई दिल्ली

शनिवार को बेंगलुरू और दिल्ली के बीच खेले गए मुकाबले में दिनेश कार्तिक के बल्ले ने बेंगलुरू की पारी के 18वें ओवर में कोहराम मचा दिया। उन्होंने मुस्तफिजुर रहमान के ओवर में पहली तीन गेंदों पर तीन कमाल के चौके लगाए, फिर ओवर की आखिरी तीन गेंद पर दो छक्का और एक चौका जड़ा। रहमान के इस ओवर से 28 रन निकले। कार्तिक ने मैच में शानदार पारी खेलते हुए 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें कोई गेंदबाज आउट नहीं कर पाया और कार्तिक 34 गेंदों में 66 रन बनाकर नाबाद रहे।

17.1: रहमान का ये मैच में आखिरी ओवर था। उन्होंने पहली गेंद कार्तिक को ऑफ साइड में बाहर की तरफ डाली। गेंद कार्तिक के बल्ले से अच्छे से कनेक्ट नहीं कर पाई और बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए थर्डमैन बांउड्री के पार चार रन के लिए चल गई।
17.2: इस बार मुस्तफिजुर ने बैक ऑफ लेंथ गेंद डाली, कार्तिक ने कमाल का रिवर्स पुल खेला और एक बार फिर गेंद चार रनों के लिए गई।
17.3: कार्तिक ने तीसरी गेंद पर भी चौका जड़ दिया। मुस्तफिजुर ने इस बार लेंथ गेंद डाली और कार्तिक ने एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से एक और चौका जड़ दिया। रहमान की कटर स्लोअर गेंद को कार्तिक ने पहले ही पढ़ लिया था।
17.4: तीन चौके लगाने के बाद चौथी गेंद पर दिनेश कार्तिक ने छक्का जड़ दिया। इस बार गेंद कार्तिक के स्लॉट में थी और वो मौका कहां छोड़ना चाहते थे। उन्होंने गेंद को लांग ऑफ बांउड्री के बाहर पहुंचा दिया।
17.5: कार्तिक इस ओवर में अलग ही लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने एक और छक्का जड़ दिया। रहमान को समझ ही नहीं आ रहा था वो कार्तिक को कहां गेंदबाजी करें। मिड ऑफ के ऊपर कार्तिक का ये छक्का कमाल का था।
17.6: इस गेंद पर कार्तिक ने चौका जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। मिड ऑफ के ऊपर से खेला गया कार्तिक का ये शॉट कमाल का था। 26 गेंद में 200 के स्ट्राइक रेट से कार्तिक का ये पचासा आया।

दिल्ली की तीसरी हार के दोषी पंत

5 रन पर कार्तिक का आसान कैच छोड़ा, पृथ्वी ने 66 रन बना दिए; ऋषभ मैच भी फिनिश नहीं कर पाए

नई दिल्ली

आईपीएल 2022 के 27वें मुकाबले में बेंगलुरू ने दिल्ली को 16 रन से हरा दिया। दिल्ली के सामने 190 रन का टारगेट था, लेकिन टीम 173 रन ही बना सकी। दिल्ली की इस हार के सबसे बड़े जिम्मेदार ऋषभ पंत रहे। उनका एक कैच छोड़ना उनकी टीम के लिए काफी भारी पड़ गया।

बेंगलुरू की हुई थी खराब शुरुआत फायदा नहीं उठा पाई दिल्ली

मैच में पहले बल्लेबाजी करने आई बेंगलुरू के शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए थे। सलामी बल्लेबाज अनुज रावत अपना खाता भी नहीं खोल पाए और शार्दूल ठाकुर की गेंद पर आउट हो गए। वहीं, बेंगलुरू के कप्तान फाफ डू प्लेसिस के बल्ले से सिर्फ 8 रन निकले।

दोनों सलामी बल्लेबाज के आउट होने के बाद विराट कोहली से टीम को बहुत उम्मीद थी, लेकिन उनके बल्ले से भी सिर्फ 12 रन निकले और वो रन आउट हो गए। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद बेंगलुरू की परेशानी काफी बढ़ गई।

हालांकि,ग्लेन मैक्सवेल ने फिफ्टी तो लगाई लेकिन वो टीम के लिए काफी नहीं था। पांच विकेट जल्दी गिरने के चलते दिनेश कार्तिक बल्लेबाजी करने आए और वो सिर्फ 5 रन बनाकर खेल रहे थे। कुलदीप यादव की एक शानदार गेंद उनके बल्ले से टकराई और विकेटकीपर पंत के पास गई। यहीं पंत से बहुत भारी गलती हो गई। उन्होंने कार्तिक का आसान कैच टपका दिया।

पंत की एक गलती और पूरा मैच बदल गया

पंत द्वारा कार्तिक का कैच छोड़ना उनकी टीम के लिए बहुत भारी पड़ा। कार्तिक ने मैच में 34 गेंद में 66 रन बना दिए। उन्होंने 5 चौके और 5 छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 194.11 का था। अगर ऋषभ ने ये कैच नहीं छोड़ा होता तो बेंगलुरू को 150 रन बनाना भी मुश्किल था।

बल्लेबाजी में मैच खत्म नहीं कर पाए कप्तान पंत

जब दिल्ली 190 रन का टारगेट चेज करने उतरी तो बीच के ओवरों में दिल्ली ने कई विकेट गंवा दिए। लगातार विकेट गिरने के बावजूद पंत का बल्ला जमकर बोल रहा था। उनके बल्ले से 17 गेंद में 34 रन निकल चुके थे, लेकिन तभी मोहम्मद सिराज की बाहर जाती हुई गेंद को पंत ने बांउड्री के बाहर पहुंचाना चाहा और अपना विकेट गंवा बैठे। विराट कोहली ने सिराज की गेंद पर पंत का कमाल का कैच पकड़ा। ऋषभ के आउट होने के बाद टीम के पास कोई भी स्पेशलिस्ट बल्लेबाज मौजूद नहीं था। कप्तान होने के नाते ऋषभ को जिम्मेदारी उठाते हुए मैच खत्म करना चाहिए था, लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए।

चामिंडा वास की श्रीलंकाई टीम में तेज़ गेंदबाज़ी कोच के रुप में वापसी

कोलंबो

श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज़ नवीद नवाज़ को श्रीलंकाई सीनियर पुरुष टीम का सहायक कोच बनाया गया है। वह नवनियुक्त प्रमुख कोच क्रिस सिल्वरवुड के साथ काम करेंगे। नवाज़ 2020 में बांग्लादेश के अंडर-19 विश्व विजेता टीम के कोच थे। श्रीलंकाई टीम के साथ उनकी नियुक्ति दो साल के लिए हुई है। वहीं श्रीलंका के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ चामिंडा वास को तेज़ गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है। वह पिछले दस साल में कई बार इस पद पर रह चुके हैं। उन्हें एक बार फिर से यह ज़िम्मेदारी दी गई है। पियल विजेटुंगे को श्रीलंकाई टीम का स्पिन गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है, जबकि मनोज अबेविक्रमा टीम के फ़ील्डिंग कोच बनेंगे।

ये सभी कोच मई में श्रीलंकाई टीम से जुड़ेंगे। इससे पहले मिकी ऑर्थर की जगह पर नवाज़ को ही प्रमुख कोच बनाने की बात की जा रही थी, लेकिन सिल्वरवुड का अंतर्राष्ट्रीय कोचिंग अनुभव भारी पड़ा। नवाज़ ने श्रीलंका के लिए एक टेस्ट और तीन वनडे खेला है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 36.27 की औसत से 6892 रन बनाए हैं। वहीं वास ऑर्थर के कार्यकाल में भी गेंदबाज़ी कोच थे। दिसंबर में उनका कार्यकाल ख़त्म हुआ था, जो अभी तक नहीं बढ़ाया गया था। अब इस कार्यकाल को बढ़ा दिया गया है। हालांकि वह अब गेंदबाज़ी कोच की जगह सिर्फ़ तेज़ गेंदबाज़ी कोच ही रहेंगे।

डेविड वॉर्नर पर चढ़ा केजीएफ का खुमार

पुष्पा के बाद रॉकी भाई बने दिल्ली के बल्लेबाज वॉयलेंस वाले डायलॉग में दिखा दमदार अंदाज

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अब ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ-2 के रॉकी भाई के अवतार में नजर आए हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह केजीएफ का वायलेंस वाला डायलॉग बोलते नजर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पुष्पा फिल्म का मैं झुकेगा नहीं... डायलॉग भी रीक्रिएट किया था। वॉर्नर का यह अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर डेविड वॉर्नर सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और वह अपने फैन्स को एंटरटेन करने का कोई मौका नहीं चूकते हैं। वॉर्नर हॉलीवुड फिल्मों की तुलना में बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं। इससे पहले भी वह कई कई गानों को रीक्रिएट कर चुके हैं। साथ ही वॉर्नर डायलॉग्स की नकल करते दिखे हैं। उनकी इन्हीं अदाओं के कारण वॉर्नर की भारत में काफी फैन फॉलोइंग है।

कोहली का हैरतअंगेज कैच देख हर कोई रह गया हैरान

हवा में छलांग लगाकर गेंद को लपका, अनुष्का शर्मा के साथ मनाया जीत का जश्न

मुंबई

बेंगलुरू और दिल्ली कैपिटल्स के बीच शनिवार को खेले गए रोमांचक मैच में बेंगलुरु ने शानदार खेल दिखाते हुए 16 रनों से जीत दर्ज कर ली। मैच में विराट कोहली ने 7.5 फीट ऊंची छलांग लगाते हुए एक हाथ से कमाल का कैच लपका।

17वें ओवर में कोहली का कमाल

दिल्ली के लिए ऋषभ पंत धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसा लग रहा था कि वो आसानी से दिल्ली को मैच जिता देंगे, मोहम्मद सिराज 17वां ओवर कर रहे थे और उन्होंने दूसरी गेंद पर शानदार छक्का भी जड़ा। छक्का खाने के बाद सिराज ने पंत को ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डाली। ऋषभ गेंद को एक्सट्रा कवर के ऊपर से बांउड्री के पार भेजना चाहते थे, तभी कोहली

ने ऊपर उछल कर कैच लपक लिया। कोहली के इस शानदार कैच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अनुष्का के साथ मनाया विकेट का जश्नः- बेंगलुरू के मैच को देखने विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा भी स्टेडियम पहुंची थीं। कैच लेने के बाद विराट ने अनुष्का के साथ विकेट का जश्न मनाया। अनुष्का काफी खुश नजर आ रही थीं।

नहीं चला कोहली का बल्ला

बेंगलुरू ने मैच में पहले बल्लेबाजी की और उन्होंने 13 रन पर पहले दो विकेट गंवा दिए। बेंगलुरू को पूर्व कप्तान विराट कोहली में मुश्किल हालात में बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने निराश किया। विराट 14 गेंदों में केवल 12 का निजी स्कोर बनाकर रन आउट हो गए। 7वें ओवर की दूसरी गेंद पर कोहली ने पॉइंट की दिशा में शॉट खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े। मैक्सवेल ने मना भी किया, लेकिन वह काफी आगे आ चुके थे। ललित यादव ने मौके का फायदा उठाया और डायरेक्ट थ्रो कर विराट की गिल्लियां बिखेर दीं। इस सीजन कोहली के बल्ले से अब तक एक भी अर्धशतक नहीं निकला है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

एफपीआई ने पिछले सप्ताह शेयर बाजारों से 4,500 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी की आशंका के बीच विदेशी निवेशकों ने पिछले सप्ताह सतर्क रुख अपनाते हुए भारतीय शेयर बाजारों से 4,500 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की है। इससे पहले एक से आठ अप्रैल के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजार में 7,707 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। उस समय बाजार में 'करेक्शन'की वजह से एफपीआई को खरीदारी का अच्छा अवसर मिला था। इससे पहले मार्च, 2022 तक छह माह के दौरान एफपीआई शुद्ध बिकवाल बने रहे और उन्होंने शेयरों से 1.48 लाख करोड़ रुपए की भारी राशि निकाली। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में वृद्धि की संभावना और यूक्रेन पर रूस का सैन्य हमला था। सेबी-पंजीकृत निवेश सलाहकार राइट रिसर्च की संस्थापक सोनम श्रीवास्तव ने कहा, %%हम उम्मीद कर रहे हैं कि यूक्रेन संकट कम होने के बाद एफपीआई बड़े स्तर पर भारत वापस आएंगे, क्योंकि हमारा मूल्यांकन अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 11-13 अप्रैल को कम छुट्टियों वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान भारतीय शेयर बाजारों से 4,518 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। बृहस्पतिवार को महामारी जयंती और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती तथा शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर शेयर बाजार बंद रहे थे। अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका की वजह से सप्ताह के दौरान एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक- प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक के आक्रामक तरीके से ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना की वजह से एफपीआई ने भारत जैसे उभरते बाजारों में अपने निवेश के प्रति सतर्क रुख अपनाया। पिछले सप्ताह एफपीआई ने ऋण या बांड बाजार से 415 करोड़ रुपए निकाले। इससे पिछले सप्ताह उन्होंने बांड बाजार में शुद्ध रूप से 1,403 करोड़ रुपए डाले थे। श्रीवास्तव ने कहा, ''एफपीआई की बिकवाली वैश्विक बाजारों में आई गिरावट के रुख के अनुरूप है।

श्रीलंका के शेयर बाजार में कारोबार अगले हफ्ते रहेगा बंद

कोलंबो। गहरे वित्तीय एवं राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के शेयर बाजार कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार एक हफ्ते तक बंद रहेगा। श्रीलंका प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी घोषणा की। उसने कहा कि निवेशकों को बाजार के बारे में अधिक स्पष्टता एवं समझ पैदा करने के लिए मौका देने के इरादे से कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में इस सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कारोबार बंद रखने का फैसला किया गया है। इस घोषणा का मतलब है कि 18 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक कोलंबो शेयर बाजार में कारोबार अस्थायी तौर पर बंद रहेगा। कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले एसईसी से कारोबार को अस्थायी तौर पर बंद करने का अनुरोध किया था। इसके लिए श्रीलंका की मौजूदा परिस्थितियों का हवाला दिया गया था। एसईसी ने यह फैसला पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका में जारी भारी आर्थिक संकट और फिर उसके बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए उठाया है।

5 फीसदी के कर स्लैब को हटा सकती है जीएसटी परिषद, कुछ उत्पादों के लिए नई दरें संभव

नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की अगले महीने होने वाली बैठक में पांच प्रतिशत के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसके स्थान पर कुछ अधिक खपत वाले उत्पादों को तीन प्रतिशत और शेष को आठ प्रतिशत के स्लैब में डाला जा सकता है। ज्यादातर राज्य राजस्व बढ़ाने को लेकर एकराय रखते हैं, जिससे उन्हें मुआवजे के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं रहना पड़े।

फिलहाल जीएसटी में 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार कर स्लैब हैं। इसके अलावा, सोने और स्वर्ण आभूषणों पर तीन प्रतिशत कर लगता है। इसके अतिरिक्त कुछ बिना ब्रांड (अनब्रांडेड) और बिना पैकिंग

(अनपैक्ड) वाले उत्पाद हैं जिनपर जीएसटी नहीं लगता है। सूत्रों ने कहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए परिषद कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं को तीन प्रतिशत स्लैब में लाकर कर छूट प्राप्त वस्तुओं की सूची में कटौती करने का निर्णय ले सकती है। सूत्रों ने कहा कि पांच प्रतिशत स्लैब को बढ़ाकर 7 या 8 या 9 प्रतिशत करने की चर्चा चल रही है। इसपर अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री की अगुवाई वाली जीएसटी परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। गणना के अनुसार, पांच प्रतिशत स्लैब में प्रत्येक एक प्रतिशत की वृद्धि (जिसमें मुख्य रूप से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं) से मोटे तौर पर सालाना 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। हालांकि, विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है लेकिन माना जा रहा है कि परिषद में अधिकांश वस्तुओं के लिए आठ प्रतिशत जीएसटी पर सहमति बनने की उम्मीद है। फिलहाल इन उत्पादों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है।

जीएसटी के तहत आवश्यक वस्तुओं पर या तो सबसे कम कर लगाया जाता है या उन्हें कर से पूरी छूट मिलती है। वहीं विलासिता और अहितकर वस्तुओं पर सबसे अधिक कर लगता है। इनपर 28 प्रतिशत कर के साथ उपकर भी लगता है। इस उपकर संग्रह का इस्तेमाल राज्यों को जीएसटी को लागू करने से राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है। जून में जीएसटी मुआवजा व्यवस्था समाप्त होने जा रही है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि राज्य आत्मनिर्भर बनें और जीएसटी संग्रह में राजस्व अंतर की भरपाई के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं रहें। परिषद ने पिछले साल कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता में राज्यों के मंत्रियों की एक समिति गठित की थी, जो कर दरों को तर्कसंगत बनाकर और कर ढांचे में विसंगतियों को दूर करके राजस्व बढ़ाने के तरीके सुझाएगी। मंत्रियों का समूह अगले महीने की शुरुआत में अपनी सिफारिशें दे सकता है। जीएसटी परिषद की अगली बैठक मई के मध्य में होने की संभावना है, जिसमें मंत्री समूह की सिफारिशों को रखा जा सकता है।

कंपनियों की 'कमाई'

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक रुख से तय होगी। सोमवार को शेयर बाजारों में लंबी छुट्टियों वाले पिछले सप्ताह के बाद कारोबारी गतिविधियां फिर शुरू होंगी। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन में कोविड-19 की स्थिति भी बाजार का आगे का रुख तय करेगी। सैमको सिक्योरिटीज में इक्विटी शोध प्रमुख येशा शाह ने कहा, ''घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं होने की वजह से इस सप्ताह बाजार की दिशा कंपनियों की 'कमाई% से तय होगी। बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मार्च के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को आएंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''बाजार सोमवार को दो प्रमुख कंपनियों इन्फोसिस और

एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। भारत की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी इन्फोसिस का मार्च तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5,686 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का परिणाम पिछले सप्ताह आया है। कंपनी ने 2022-23 में अपने कारोबार में 13-15 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान पेश किया है।

देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का मार्च, 2022 में समाप्त तिमाही के लिए एकल शुद्ध लाभ 22.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,055.2 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का तिमाही नतीजा शनिवार को आया था। इस सप्ताह माइंडट्री, एसीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, नेस्ले और हिंदुस्तान जिंक के 'कमाई% के आंकड़े आएंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आमदनी के सीजन की शुरुआत के साथ आने वाले दिनों में घरेलू बाजार में क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,108.25 अंक या 1.86 फीसदी टूटा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 308.70 अंक या 1.73 प्रतिशत नीचे आया। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुझान, रुपए और कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

आरबीआई ने बढ़ाया बाजार में कारोबार का समय

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के रेगुलेटेड मार्केट यानी नियमन वाले बाजारों में कारोबार के समय में बदलाव किया है। बाजार का नया टाइम टेबल 18 अप्रैल, सोमवार से लागू होगा। नए टाइम टेबल के अनुसार से अब कारोबार सुबह 10 बजे के स्थान पर 9 बजे से ही शुरू होगा और 3.30 बजे तक जारी रहेगा। आरबीआई के बाजार के समय में 30 मिनट की वृद्धि की है।

शीर्ष बैंक ने कहा है कि कोविड प्रतिबंध खत्म होने और लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियां हट जाने तथा दफ्तरों में कामकाज सामान्य होने के चलते वित्तीय बाजारों में कारोबार की शुरुआत सुबह नौ बजे से करने का फैसला किया गया है। आरबीआई ने कहा है कि अब विनियमित वित्तीय बाजारों के लिए उनके महामारी पूर्व समय सुबह 9:00 बजे खुलने का समय बहाल किया जाए। केंद्रीय बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन अब बदले हुए समय के साथ ही हो पाएगा।

बता दें कि कोविड-19 महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आरबीआई ने 7 अप्रैल, 2020 को बाजार के समय में बदलाव किया था। उस समय कारोबार के समय को आधा घंटा कम करते हुए बाजार का समय सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 3.30 बजे तक किया गया था लेकिन अब स्थिति सामान्य होने पर बाजार में कारोबार के लिए पुराने टाइम टेबल को लागू किया जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक बांड से जुटाएगा 50,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को कहा कि वह अगले एक साल में बांड जारी कर 50,000 करोड़ रुपए का वित्त जुटाएगी। बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में बांड जारी करने का फैसला लिया गया। इससे जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल ढांचागत क्षेत्र को वित्त मुहैया कराने और ग्राहकों को किफायती आवासीय ऋण देने में किया जाएगा। एचडीएफसी बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि

अगले एक साल में बांड जारी कर 50,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को निदेशक मंडल ने मंजूरी दी है। शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद यह रकम निजी आवंटन के जरिए जुटाई जाएगी। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक ने रेणु कर्नाड को गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में फिर से नियुक्त किए जाने की जानकारी भी दी। रेणु सितंबर, 2022 से अगले पांच वर्षों तक निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बनी रहेंगी। रेणु वर्ष 2010 से ही आवासीय वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक हैं। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड ने हाल ही में विलय की घोषणा की हुई है।

एलआईसी में 20 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति को सरकार ने फेमा नियमों में संशोधन किया

नई दिल्ली

सरकार ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) नियमों में संशोधन किया है। इससे बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 20 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का खुल गया है। सरकार आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए एलआईसी में अपनी हिस्सेदारी कम करने की योजना बना रही है। एलआईसी ने फरवरी में आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेज (डीआरएचपी) जमा कराए थे। पिछले महीने सेबी ने दस्तावेजों के मसौदे को मंजूरी दे दी और अब बीमा कंपनी बदलावों के साथ अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) दाखिल करने की प्रक्रिया में है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एलआईसी के 'बड़े% सार्वजनिक निर्गम से पहले

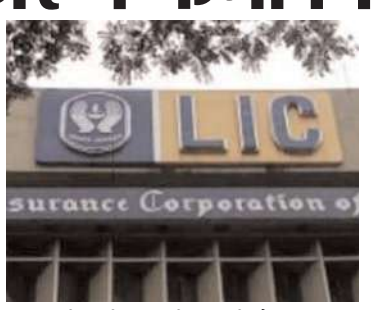

कंपनी में विदेशी निवेश लाने के लिए 14 मार्च को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में संशोधन किया था। एफडीआई नीति में बदलाव के साथ डीपीआईआईटी के प्रावधानों को लागू करने के लिए फेमा अधिसूचना जरूरी थी। हाल में जारी गजट अधिसूचना में कहा गया है कि इन नियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) (संशोधन) नियम, 2022 कहा जा सकता है। अधिसूचना के जरिए मौजूदा नीति में एक परिच्छेद (पैराग्राफ) डाला गया है, जिसमें एलआईसी में स्वत: मंजूर मार्ग से 20 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है। मौजूदा एफडीआई नीति के तहत मंजूरी मार्ग से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 20 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। ऐसे में एलआईसी और इसी तरह की अन्य कॉरपोरेट इकाइयों में 20 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति देने का फैसला किया गया। इसमें कहा गया है कि एलआईसी में विदेशी निवेश जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (एलआईसी कानून) के प्रावधानों और बीमा कानून, 1938 के ऐसे प्रावधानों के जरिये आ सकता है जो एलआईसी पर लागू होंगे। इनमें समय-समय पर संशोधन होता है। देश के अबतक के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गम के लिए मंच तैयार करते हुए सेबी ने सरकार द्वारा एलआईसी में करीब 63,000 करोड़ रुपए में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के लिए दस्तावेजों के मसौदे को मंजूरी दे दी है। दस्तावेजों के मसौदे के अनुसार, एलआईसी का अंतर्निहित मूल्य 30 सितंबर, 2021 तक करीब 5.4 लाख करोड़ रुपए था। अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकक मिलीमैन एडवाइजर्स ने एलआईसी का अंतर्निहित मूल्य निकाला है। हालांकि, दस्तावेजों में एलआईसी के बाजार मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन उद्योग के मानकों के अनुसार यह अंतर्निहित मूल्य का तीन गुना या करीब 16 लाख करोड़ रुपए होगा। एलआईसी का आईपीओ भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा निर्गम होगा। एक बार सूचीबद्ध होने के बाद एलआईसी के बाजार मूल्यांकन की तुलना रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से हो सकेगी। अभी तक पेटीएम ने 2021 में आईपीओ से 18,300 करोड़ रुपए जुटाए थे। यह अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इससे पहले 2010 में कोल इंडिया ने आईपीओ से 15,500 करोड़ रुपए और रिलायंस पावर में 2008 में 11,700 करोड़ रुपए जुटाए थे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)